वैशाख शुक्ल पक्ष- 6 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 286 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
22 अप्रैल 2026
बुधवार

आज का मौसम
39.8 अधिकतम
23.4 न्यूनतम

हर-हर महादेव...

केदारनाथ के कपाट खुले

- शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से हुआ वैदिक मंत्रोच्चार
- सेना ने हेलिकॉप्टर से बरसाए फूल, सीएम धामी ने की प्रधानमंत्री के नाम पर पहली पूजा
- मंदिर परिसर को दिल्ली और पश्चिम बंगाल से मंगाए गए लगभग 51 क्विंटल फूलों से सजाया
- श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में दी गई ज्योतिर्लिंग पर लगाई गई भस्म

लखनऊ-राजस्थान, समय : शाम 7.30 बजे

पल-पल बदलते ट्रम्प... अब ईरान की ओर से सुलह प्रस्ताव का इंतजार करेंगे

पाक की अपील पर बढ़ा सीजफायर

दबाव के लिए होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी जारी रहेगी, ईरानी गार्ड्स का एक और बोट पर हमला

वाशिंगटन डीसी/तेहरान. एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ा रहा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि यह कितने दिन के लिए बढ़ाया गया है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है।

ऐसे वक्त में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने उनसे ईरान पर कुछ समय तक हमले रोकने की अपील की, ताकि ईरान को साझा प्रस्ताव तैयार करने का वक्त मिल सके। इस अपील को मानते हुए उन्होंने अमेरिकी सेना को फिलहाल हमला नहीं करने का आदेश दिया है। हालांकि, सेना को पूरी तरह तैयार रहने को भी कहा गया है। इस दौरान ईरान पर दबाव बनाए रखने के लिए होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी जारी रहेगी। उन्होंने साफ किया कि सीजफायर तब तक जारी रहेगा जब तक ईरान अपनी ओर से ठोस और एकजुट प्रस्ताव नहीं दे देता और बातचीत पूरी नहीं हो जाती, चाहे उसका नतीजा कुछ भी निकले। इससे पहले ईरान ने पकिस्तान में होने वाली सुलह वार्ता में शामिल होने से इंकार कर दिया था।

कंटेनर शिप पर फायरिंग

होर्मुज में एक बार फिर कंटेनर शिप को निशाना बनाया गया है। यूके मैरिटाइम ट्रेट ऑपरेशंस ने बताया है कि ओमान के पास एक जहाज से जुड़ी घटना की रिपोर्ट मिली है। यह घटना ओमान के उत्तर-पूर्व में करीब 15 समुद्री मील की दूरी पर हुई। एजेंसी के मुताबिक कंटेनर जहाज के कप्तान ने बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की गनबोट जहाज के पास आई और उस पर फायरिंग की। इस हमले में जहाज के कंट्रोल रूम को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि किसी तरह की आग लगने या पर्यावरण को नुकसान होने की खबर नहीं है। जहाज पर मौजूद सभी क्रू सदस्य सुरक्षित बताए गए हैं।

इसके बाद अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेन्स का इस्लामाबाद दौरा भी टाल दिया गया। हालांकि पहले अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर पीस डील नहीं हुई, तो अमेरिकी सेना हमले के लिए पूरी तरह तैयार है और आदेश मिलते ही कार्रवाई कर सकती है। ट्रम्प ने यह भी कहा था कि सीजफायर आगे नहीं बढ़ाएंगे। इसके बाद अचानक सीजफायर बढ़ाने का फैसला चौंकाने वाला भी है। उधर यमन के हूती विद्रोहियों ने चेतावनी दी है कि जंग अभी खत्म नहीं हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच बना सीजफायर कमजोर है, इसलिए आगे बड़ा संघर्ष होना तय है।

होर्मुज खोलने के लिए यूरोपीय देशों की अहम् बैठक आज से : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के लिए दुनिया के 30 से ज्यादा देशों ने हाथ मिला लिया है। ब्रिटेन की सरकार के मुताबिक, से लंदन में दो दिनों की बड़ी मीटिंग शुरू होगी जिसमें 30 से ज्यादा देशों के मिलिट्री प्लानर्स शामिल होकर इसे फिर से चालू करने का पूरा प्लान तैयार करेंगे। पिछले हफ्ते यूरोप, एशिया और मिडिल ईस्ट के लगभग 50 देशों के बीच एक वीडियो कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसके बाद ब्रिटेन और फ्रांस के नेतृत्व में इस अंतरराष्ट्रीय मिशन को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि लंदन में होने वाली इस मीटिंग का मकसद पिछले हफ्ते हुई बातचीत को आगे बढ़ाना है।

ईरान को थकाने की रणनीति!

अमेरिका ने अपने सबसे बड़े दबाव वाले हथियार नाकेबंदी को बरकरार रखा है। खासतौर पर होर्मुज स्ट्रेट और ईरानी बंदरगाहों के आसपास लागू यह नाकेबंदी व्यापार व तेल सप्लाई पर असर डाल रही है। अमेरिकी ट्रेजरी से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, यह रणनीति ईरान की आर्थिक ताकत को कमजोर करने के लिए अपनाई है। यहां तक कहा गया है कि खर्ग आइलैंड पर तेल स्टोरेज कुछ ही दिनों में भर सकता है, जिससे ईरान के पास तेल स्टोर करने की जगह नहीं होगी और उसके तेल के कुएं बंद हो जाएंगे। इससे तेल कारोबार पर और दबाव बढ़ेगा।

लश्कर-ए-तैयबा के मास्टरमाइंड आतंकी समेत सात को सजा

नईदिल्ली, एजेंसी

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की एक विशेष अदालत ने 2023 के बेंगलुरु जेल कट्टरपंथ मामले में मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य टी. नसीर समेत कुल सात आरोपियों को सजा सुनाई है। नसीर के अलावा, कोर्ट ने आरोपी सैयद सुहैल खान, मोहम्मद उमर, जाहिद तबरेज, सैयद मुदस्सिर पाशा, मोहम्मद फैसल रब्बानी और सलमान खान को आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 48,000 रुपये के जुर्माने के साथ सात साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

आरोपों को पहले ही कर लिया था स्वीकार: आरोपियों ने पहले एनआईए द्वारा मामले लगाए गए आरोपों को स्वीकार कर लिया था। यह मामला बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल के अंदर टी. नसीर द्वारा रची गई एक आतंकी साजिश से संबंधित है। इस साजिश में जेल में बंद सीधे-सादे युवाओं की पहचान करना, उन्हें भर्ती करना, प्रशिक्षण देना, उनका धर्म परिवर्तन कराना और उन्हें कट्टरपंथी बनाना शामिल था, ताकि भारत में आतंकी गतिविधियां अंजाम दी जा सकें।

न्यूज विंडो

खरगे के विवादित बयान पर चुनाव आयोग पहुंची बीजेपी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी के खिलाफ जो विवादित बयान दिया, उस पर बीजेपी एक्शन मोड में है। बीजेपी खरगे के बयान के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची है और शिकायत दर्ज करवाई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बारे में एक्स पर पोस्ट करके जानकारी दी है। उन्होंने बताया, 'हमने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ उनके उस चौंकाने वाले और शर्मनाक बयान के लिए कड़ी शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'आतंकवादी' कहा है। यह सिर्फ अपमानजनक ही नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर एक खतरनाक हमला है।

जेट फ्यूल संकट, लुफ्थांसा की 20 हजार फ्लाइट्स रद्द

नईदिल्ली। यूरोप की बड़ी एयरलाइन कंपनी लुफ्थांसा एजी ने अपने समर शेड्यूल से 20000 छोटी दूरी की उड़ानें रद करने का फैसला लिया है। कंपनी ने यह कदम जेट फ्यूल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण उठाया है, जो ईरान युद्ध शुरू होने के बाद दोगुनी हो गई हैं। कंपनी के अनुसार, इन उड़ानों में कटौती से कुल उपलब्ध सीट क्षमता का करीब 1 प्रतिशत कम होगा और लगभग 40000 टन जेट ईंधन की बचत होगी। इससे पहले लुफ्थांसा ने अपनी रीजनल यूनिट 'सिटीलाइन' को बंद करने और 27 पुराने, ज्यादा ईंधन खर्च करने वाले विमानों को ग्राउंड करने की घोषणा की थी।

शौचालय टंकी में दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत

नवगछिया (भागलपुर)। पुलिस जिला नवगछिया के कदवा थाना क्षेत्र के खैरपुर कदवा स्थित पूर्व टोला वार्ड संख्या 3 में सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां शौचालय की टंकी (सेप्टिक टैंक) की सेटिंग खोलने के दौरान दम घुटने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 8:30 बजे ज्वाला यादव के घर पर हुआ। बताया जा रहा है कि शौचालय टंकी की निर्माण के दौरान मजदूर नीचे उतरे थे। इसी दौरान जहरीली गैस के कारण एक-एक कर तीनों मजदूर बेहोश होकर गिर पड़े और दम घुटने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मोहन कैबिनेट की बैठक में फैसला

खेती की जमीन का सरकारी इस्तेमाल करने पर किसानों को चार गुना मुआवजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश की कैबिनेट बैठक में किसानों को बड़ी राहत देते हुए जमीन अधिग्रहण, सिंचाई, पुनर्वास, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े कई प्रस्तावों को मंजूरी दी। इन फैसलों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, कृषि उत्पादन बढ़ेगा और आम जनता को सीधे लाभ मिलेगा। शासकीय निर्माण कार्यों के लिए जब किसानों की भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा, तो उन्हें फैक्टर-2 के आधार पर मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। इस फैसले के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को जमीन के बदले चार गुना तक मुआवजा मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे विकास कार्यों में किसानों का सहयोग बढ़ेगा और भूमि अधिग्रहण को लेकर उत्पन्न होने वाले विवाद भी कम होंगे।

प्रदेश में अधोसंरचना विकास को गति देने के लिए कैबिनेट ने विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए करीब 33 हजार करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसके अंतर्गत सड़क, भवन, पुल और अन्य विकास योजनाएं शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग को भवन निर्माण और मरम्मत के लिए 25,164 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे शासकीय भवनों की हालत में बड़ा सुधार होगा और नई सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कृषि उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से 100 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने के लक्ष्य के साथ कई सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है।

इससे पहले साध्वी प्रज्ञा सहित सात को किया गया था दोषमुक्त

मालेगांव धमाके के चार अन्य आरोपी भी बरी

मुंबई. एजेंसी

मालेगांव में साल 2006 में हुए बम धमाके मामले में हाई कोर्ट ने सभी चारों आरोपियो को बरी कर दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाई कोर्ट ने आरोपी लोकेश शर्मा, धन सिंह, राजेंद्र चौधरी और मनोहर नरवरिया को निर्दोष माना और उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया। मस्जिद के पास हुए सीरियल धमाके में 37 लोगों की जान चली गई थी।

इससे पहले विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी अदालत ने मामले में सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया था। इन सात आरोपियों में पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, मेजर (रिटायर्ड) रमेश उपाध्याय,

सुधाकर चतुर्वेदी, अजय राहिरकर, सुधाकर धर द्विवेदी (जिन्हें शंकराचार्य के नाम से भी जाना जाता है) और समीर कुलकर्णी शामिल थे। अदालत ने पर्याप्त सबूतों की कमी का हवाला देते हुए गैर-कानूनी गतिविधियाम (रोकथाम) अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत सभी आरोप हटा दिए थे।

रमजान में हुआ था धमाका

यह धमाका 29 सितंबर, 2006 को हुआ था, जब महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के मालेगांव में भिक्कू चौक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में लगा बम फट गया था। यह धमाका रमज़ान के पवित्र महीने के दौरान और हिंदू त्योहार नवरात्रि से ठीक पहले हुआ था। इस सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील शहर में इस घटना में कई लोगों की जान चली गई थी और 100 से ज़्यादा लोग घायल हो गए थे। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 323 गवाहों को कोर्ट में पेश किया। हालांकि, उनमें से 34 गवाह अपने बयान से पलट गए, जिससे अभियोजन पक्ष का मामला काफ़ी कमज़ोर हो गया।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर | नापाक अटैक का एक साल... आतंकवादियों को बैसरन में छिपे हुए देखा, सुरक्षा बलों को नहीं दी जानकारी

दो कश्मीरी चाहते तो रुक सकता था पहलगाम आतंकी हमला!

नई दिल्ली/ श्रीनगर. एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के एक साल पूरा हो गया है। पिछले साल 22 अप्रैल को हुई इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर आंतकियों से जुड़े नेटवर्क को ध्वस्त किया था, लेकिन कश्मीर में रहने वाले दो लोग ऐसे थे जो इस आतंकी हमले को रोक सकते थे।

सूत्रों के मुताबिक, नरसंहार वाले दिन दोपहर करीब 12 बजकर 30 मिनट पर यानी इस आतंकी हमले से कुछ घंटे पहले कश्मीर में रहने वाले परवेज अहमद और बशीर अहमद ने तीन आतंकवादियों को बैसरन में छिपे हुए देखा था। इन आतंकवादियों में फैसल जट्ट उर्फ सुलेमान शाह, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान और हमजा अफगानी

शामिल था। हमलावर एक दिन पहले बशीर और परवेज के घरों के आसपास भी मौजूद थे। उस दौरान वह उर्दू ओर पंजाबी भाषा में बात कर रहे थे। वे आधुनिक हथियार हुए थे और लश्कर-ए-तैयबा द रेजिस्टेंस फ्रंट के शीर्ष कमांडर अली भाई (मुख्य आरोपी साजिद जट्ट) के बारे में बात कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि दोनों को यह पूरी तरह से स्पष्ट था कि एक आतंकी हमला होने वाला है।

पहलगाम आतंकी हमला 22 अप्रैल 2025 को हुआ था, जब पर्यटकों को निशाना बनाया गया। हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने धर्म पूछकर 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मारे गए लोगों में 25 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टू चालक शामिल था, जिसने पर्यटकों को बचाने की कोशिश की थी। हमले को द रेजिस्टेंस फ्रंट ने अंजाम दिया था, जो पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का ही एक हिस्सा है। इस हमले के जवाब में, भारतीय सशस्त्र बलों ने 6 और 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया।

अब नहीं रही वो पहले जैसी रौनक... पेज 8

तीन आतंकियों को दी पनाह

इस आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जब जांच शुरू की, तो पता चला कि परवेज अहमद और बशीर अहमद ने एक दिन पहले तीन आतंकवादियों को पनाह दी थी। इसके बाद एजेंसियों ने आतंकी को पनाह देने के आरोप में दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने हमले की जानकारी होने के बावजूद आतंकियों की जानकारी सुरक्षा बलों को नहीं दी। हालांकि उनके पहले से साजिश में शामिल होने की कोई जानकारी नहीं मिली। फिलहाल वह दोनों जेल में बंद हैं।

पृथ्वी दिवस पर पेटा ने दिया शाकाहारी बनने का संदेश

भोपाल। पेटा इंडिया ने शाकाहारी बनने का संदेश दिया है। पर्यावरण संरक्षण और पशु अधिकारों को लेकर जुटे कार्यकर्ताओं ने डायनासोर की वेशभूषा पहनकर लोगों को आकर्षित करने का प्रयास किया। वोट क्लब में यह आयोजन 'पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पीटा) इंडिया' और 'एनिमल्स विद ह्यूमैनिटी' के संयुक्त तत्वाधान में किया गया था। संगठन की अपेक्षा तामने ने यहां पशुपालन उद्योग को पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले वाला बताते हुए कहा कि यदि लोग शाकाहारी भोजन अपनाते हैं, तो वे यह जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को काफी हद तक कम कर सकते हैं। क्योंकि मांसाहार को भारी मात्रा में भूमि, पानी और ऊर्जा की आवश्यकता होती है, साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी अधिक होता है। उनका कहना था कि शाकाहारी जीवनशैली अपनाने से न केवल पर्यावरण को लाभ होता है, बल्कि यह पशु क्रूरता को कम करने में भी मददगार साबित होती है। बता देंकि विश्व पृथ्वी दिवस का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देना है।

नर्मदापुरम रोड, मिसरोद से कटारा हिल्स तक का सफर होगा आसान

110 करोड़ रु. की लागत से बनेगा नया कॉरिडोर, बेहतर होगा ट्रैफिक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के सबसे व्यस्ततम व्यावसायिक मार्ग नर्मदापुरम रोड को ट्रैफिक के भारी दबाव से स्थायी निजात दिलाने के लिए एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया गया है। भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने भैरूपुर, मिसरोद और बागली के बीच एक नया और आधुनिक ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर विकसित करने की योजना को हरी झंडी दे दी है। करीब तीन किलोमीटर लंबे और 30 मीटर चौड़े इस नए मार्ग के बनने से दक्षिण भोपाल की कनेक्टिविटी का चेहरा पूरी तरह बदल जाएगा। बीडीए ने नगर विकास योजना के लिए कंसल्टेंट की नियुक्ति के लिए ई-निविदा निकाली है। चयनित एजेंसी सर्वे करने के साथ ही डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर), आर्किटेक्चरल डिजाइन और टेंडर दस्तावेज तैयार करेगी। प्राधिकरण ने इस योजना का विस्तृत प्राक्कलन और सर्वे पूरा कर लिया है। काम शुरू होने के बाद इसे 24 से 30 महीने के भीतर पूरा करने की समय-सीमा तय की गई है।

कटारा-बर्रई मार्ग से जुड़ेगा कॉरिडोर

वर्तमान में होशंगाबाद रोड पर मिसरोद और बागली के आसपास भारी ट्रैफिक रहता है। कटारा हिल्स, बर्रई और बागली क्षेत्र की नई कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को मुख्य सड़क तक आने के लिए कोई सीधा और चौड़ा रास्ता उपलब्ध नहीं है। यह नया कॉरिडोर सीधे होशंगाबाद रोड को कटारा-बर्रई मार्ग से जोड़ेगा। इस मार्ग के चयन का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा अल्टरनेटिव रूट तैयार करना है जो मास्टर प्लान की सड़कों को आपस में जोड़ते हुए ट्रैफिक को मुख्य सड़क पर आने से पहले ही डाइवर्ट कर दे।

तीन लाख आबादी को फायदा

इस योजना के धरातल पर आने से मिसरोद, बागली, भैरूपुर, कटारा हिल्स और बर्रई क्षेत्र की करीब तीन लाख से अधिक की आबादी को फायदा होगा । वर्तमान में जो सफर संकरे रास्ते और लंबे घुमावदार रास्तों से तय करना पड़ता है। वह इस 30 मीटर चौड़े कॉरिडोर के बनने से मात्र चंद मिनटों का रह जाएगा।

प्रोजेक्ट की लागत और सुविधाएं

नए कॉरिडोर की अनुमानित लागत 110 करोड़ रुपये रखी है। जो कंक्रीट की सड़कों के जाल पर खर्च होंगे। सड़क के साथ-साथ यहां व्यवस्थित ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट और वाटर सप्लाई लाइन भी डाली जाएगी, ताकि भविष्य में यहां किसी भी प्रकार की खोदाई की जरूरत न पड़े। बीडीए सीईओ श्यामबीर सिंह कि टीपीएस के तहत चार स्कीम पर काम किया जा रहा है। इसकी डीपीआर बनवाने के लिए निविदा निकली गई है। आने वाले समय पर बीडीए मास्टर प्लान की सड़कों को टेकओवर करेगा।

250 निजी स्कूलों के विद्यार्थियों की श्रेणी बदली

भारी चूक... 15 हजार छात्रों का भविष्य अधर में नियमित छात्रों को अंकसूची में दिखा दिया प्राइवेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की बड़ी लापरवाही सामने आई है। मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं के करीब 15 हजार विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर लग गया है। बोर्ड द्वारा जारी की गई अंकसूचियों में ऐसे विद्यार्थियों को स्वाध्यायी श्रेणी में दर्शाया गया है, जिन्होंने पूरे वर्ष नियमित रूप से स्कूल जाकर पढ़ाई की थी। इस गंभीर त्रुटि से विद्यार्थी परेशान हैं।

दरअसल, माशिमं ने हाल में 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया है। इसमें 12वीं का परिणाम 76.01 प्रतिशत और 10वीं का 73.42 प्रतिशत रहा। परिणाम घोषित होने के बाद कई विद्यार्थियों ने जब अपनी अंकसूची देखी, तो उन्हें पता चला कि उनकी श्रेणी नियमित के बजाय स्वाध्यायी दर्ज कर दी गई है। इस गलती को लेकर स्कूल संचालकों ने मंडल अधिकारियों से शिकायत की है।

राजधानी के 10 स्कूल शामिल इस गड़बड़ी में

भोपाल सहित प्रदेश के कई निजी स्कूल प्रभावित हुए हैं। राजधानी के करीब 10 स्कूलों के विद्यार्थी इस समस्या से जूझ रहे हैं। इनमें सेवन हिल्स पब्लिक स्कूल, रेडियेंट स्कूल पिपलिया पेंदे खां, ज्ञान चेतना हाईस्कूल और अंकुर हायर सेकेंडरी स्कूल जैसे संस्थान शामिल हैं। माशिमं सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि कुछ स्कूलों से शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। किसी भी विद्यार्थी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

हाईकोर्ट के आदेश की अनदेखी

सत्र 2025-26 में 250 निजी स्कूलों की मान्यता दूसरी अपील में निरस्त कर दी गई थी। इसके बाद स्कूल संचालकों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने विद्यार्थियों के हित को देखते हुए इन स्कूलों को अस्थायी मान्यता देने के निर्देश दिए थे। लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश का पालन करते हुए स्कूलों को मान्यता भी प्रदान कर दी थी। इसके बावजूद माशिमं ने इन स्कूलों के विद्यार्थियों को नियमित मानने के बजाय स्वाध्यायी श्रेणी में डाल दिया।

नकली नोटों की गड्डी दिखाकर ठगी करने वाली गैंग पकड़ी

भोपाल। रेल यात्रियों को झांसे में लेकर ठगी की वारदात को अंजाम देने वाली दिल्ली की गैंग को जीआरपी भोपाल ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त वाहन सहित करीब 9 लाख रुपए का मशरूका बरामद किया गया है। मामले का खुलासा उस वक्त हुआ जब 3 ईएमई सेंटर लालघाटी निवासी एक सैनिक ने शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि भोपाल स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते समय उसका मोबाइल चोरी हो गया और बाद में एटीएम के जरिए खाते से रकम निकाल ली गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे कागज के नकली नोटों की गड्डी बनाकर रूमाल में रखते थे और यात्रियों को लालच देकर भरोसे में लेते थे। इसके बाद मोबाइल और एटीएम कार्ड चोरी कर खाते से पैसे निकाल लेते थे।

मानव संग्रहालय में स्वच्छता पखवाड़ा पर प्रतियोगिता आयोजित

बच्चों ने चित्रकारी से दिखाया स्वच्छ भारत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय 'स्वच्छता पखवाड़ा' के तहत मंगलवार को बच्चों के लिए पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता हुई। इसमें 8 से 12 वर्ष के लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में एसओएस चिल्ड्रन्स विलेज, कैम्पियन स्कूल, शारदा विद्या मंदिर, नारायणा स्कूल, कोपल स्कूल, कमला नेहरू, डीएमएस स्कूल सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र शामिल थे। वहीं अनाथ आश्रम के बच्चों ने भी सहभागिता की।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छ भारत अभियान के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करना और कला के माध्यम से स्वच्छता के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रसारित करना था। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने रंगों और कल्पनाशीलता के माध्यम से स्वच्छ भारत के विविध आयामों को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। इसका संयोजन संग्रहालय के मुख्य कलाकार ललित बागुल ने बच्चों ने चित्रकला की बारीकियों को समझते हुए रचनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। संग्रहालय के स्वच्छता कार्यक्रम प्रभारी दीपक चौधरी ने बताया कि 30 अप्रैल को स्वच्छता पखवाड़ा के समापन पर इन बच्चों को संग्रहालय पुरस्कृत करेगा। संग्रहालय के निदेशक अमिताभ पांडे ने बताया कि यह कार्यक्रम जन-जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

हर सप्ताह बैंकों की सुरक्षा की जांच करने के डीजीपी ने दिए निर्देश

भोपाल। सिंगरौली में हुई बैंक डकैती के बाद पुलिस महानिदेशक ने समीक्षा बैठक की है। इसके बाद प्रदेश के पुलिस कमिश्नर और पुलिस अधीक्षकों को अपने जिलों में हर सप्ताह सरकारी और गैर सरकारी बैंकों की सुरक्षा जांच करके रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय को अवगत कराने आदेश जारी हुए हैं। इसके अलावा किसी तरह की तकनीकी चूक पता चलती है तो संबंधित बैंक से उसके समाधान के लिए भी बोला गया है। प्रदेश के सभी सरकारी और गैर सरकारी बैंकों की जानकारी संकलन करने के लिए बोला गया है। बैंकों में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा के अलावा सुरक्षाकर्मियों को चैक करने बोला गया है। इस दौरान कैमरों की गुणवत्ता और उसके स्टोरेज क्षमता के संबंध में आरबीआई गाइड लाइन का पालन करने के भी निर्देश दिए हैं।

सिंधी समाज को सत्ता और संगठन में मिले उचित भागीदारी

सिंधी सेंट्रल पंचायत ने मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष को लिखा पत्र

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी सेंट्रल पंचायत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को पत्र लिखकर सिंधी समाज को राजनीति और संगठन में उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग की है।

पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी ने पत्र में कहा कि सिंधी समाज आजादी के बाद से ही जनसंघ और भाजपा का निष्ठावान समर्थक रहा है, लेकिन उस अनुपात में समाज को प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। उन्होंने मांग की है कि प्रदेश की कम से कम 10 सिंधी बाहुल्य विधानसभा सीटों और 4 लोकसभा सीटों पर समाज के उम्मीदवारों को अवसर दिया जाए। वर्तमान में निगम-मंडलों में सिंधी नेताओं की भागीदारी न के बराबर है। आगामी नियुक्तियों में कम से कम एक दर्जन सिंधी भाषी नेताओं को स्थान दिया जाए। पत्र में याद दिलाया गया कि 1967 में अर्जुनदास मुरजानी की जीत से शुरू हुआ सिलसिला आज भी जारी है, जहाँ हाल ही में हुजूर विधानसभा में सिंधी मतों के निर्णायक सहयोग से बड़ी जीत दर्ज की गई है।

मेट्रो एंकर

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की लोकभाषा गोष्ठी आयोजित

बुंदेली भाषा हमारे रक्त में बसी है : डॉ. प्रतिमा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद, भोपाल इकाई के तत्त्वावधान में सोमवार को लोकभाषा गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कथाकार डॉ. अनीता सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश की भाषाई विविधता लोक भाषा के कारण ही हैं। ये भाषाएं अपने अपने विविध रंगों से सारे देश को एक सुंदर माला का रूप प्रदान करती हैं

शिक्षा में सृजन में व अपने अपने घरों में स्थानीय भाषा का प्रयोग कर इन्हें संरक्षण प्रदान किया जाना आज की महती आवश्यकता है ताकि इन्हें लुप्त होती ने से बचाया जा सके

मुख्य अतिथि श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय, भोपाल की सह प्राध्यापक डॉ अनुराधा सिंह उपस्थित रही। उन्होने अपने उद्बोधन में मगही भाषा की विशेषता से अवगत कराते हुये कहा कि- लोकभाषा हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ो से जोड़ती है। समाज में लोकभाषा को छोड़ने से समरसता लुप्त हो गयी।

विशिष्ट अतिथि सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल की विभागाध्यक्ष डॉ प्रतिमा यादव ने बुंदेली भाषा की सहजता व सरलता को उधृत किया साथ ही भाषा का महत्व बताते हुए कहा कि -बुंदेली लोकभाषा हमारे रक्त में बसी है। राष्ट्र के पास तीन प्रतीक अवश्य होने चाहिए, राष्ट्रीय गान,राष्ट्रीय ध्वज,राष्ट्रीय भाषा पर हमारे राष्ट्र के पास गान व ध्वज तो है पर भाषा के लिए हमें प्रयास करना है। बीज वक्तव्य सुनीता यादव, महामंत्री, अखिल भारतीय साहित्य परिषद भोपाल इकाई द्वारा दिया गया जिसमें भोपाल इकाई के मुख्य कार्यक्रम व कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के बारे में बताया साथ ही अपनी मातृभाषा की मिठास को अनुभव कराते हुये उन्होनें कहा - भाषा का झाड़ गन्ने के झाड़ जैसो होत है ,जामें ब्रज भाषा मिश्री सी, बूँदी सी बुंदेली, बतासे सी बघेली, मालपुआ सी मालवी और नोनी संगे गुड़ की डली सी निमाड़ी रिश्तों में मिठास घोलती है। कुमकुम गुप्ता ने पढ़ा- बुढ़ापे सबको आने हैं।

पौधारोपण कर मनाई भगवान परशुराम जयंती

संतनगर। भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव के अवसर पर साधु वासवानी ऑटोनॉमस कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हरित परिसर के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से स्वयंसेवकों ने विभिन्न छायादार और फलदार पौधे रोपे। कार्यक्रम का नेतृत्व रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि सिलारपुरिया ने किया। प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाना ही भगवान परशुराम के प्रति सच्ची श्रद्धा है। प्राचार्य डॉ. ए.के. सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना प्रबल होती है। कार्यक्रम में रासेयो समिति के अध्यक्ष मोहित नरवरिया सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निहारिका ने मलेशिया में जीता रजत पदक

संतनगर। मलेशिया में आयोजित 15वें साइलेंट नाइट इंटरनेशनल कराते टूर्नामेंट में भोपाल की निहारिका नागर ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ स्कूल की छात्रा निहारिका ने प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। छात्रा ने अपने प्रदर्शन का श्रेय कोच भावना यादव को दिया है। शाला के सचिव रमेश हिंगोरानी, संचालक योगेश हिंगोरानी और प्राचार्या ने निहारिका को बधाई दी है।

कांग्रेस अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष की पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी पर सियासत तेज

सीएम बोले- हार के डर से बौखला गई है कांग्रेस, माफी मांगें मल्लिकार्जुन खरगे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी पर सियासत तेज हो गई है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मल्लिकार्जुन खरगे के बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि इसके लिए खरगे माफी मांगें। भविष्य में खरगे को इस तरह की टिप्पणी से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी हार देखकर बौखला गई है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पर की गई टिप्पणी की निंदा करता हूं। आज देश में अलग प्रकार का माहौल बना हुआ है। कांग्रेस एक के बाद एक वह सब गलतियां कर रही हैं, जिसके कारण उसे नुकसान उठाना पड़ रहा है। कांग्रेसियों को अपने अतीत और आचरण पर गौर करना चाहिए। कांग्रेस ने मीसा बंदी के दौरान विपक्ष के साथ जो व्यवहार किया, उसकी आज तक माफी नहीं मांगी।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि कांग्रेस ने तमाम प्रकार के अलगाववादी तत्वों को प्रोत्साहन दिया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को 'आतंकवादी' बताया। मैं मांग करता हूं कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे माफी मांगें और भविष्य में इस प्रकार की टिप्पणी से बचें। चुनाव के मद्देनजर डीएमके और कांग्रेस हार देखकर बौखला रही हैं। खरगे की टिप्पणी की मैं कटु शब्दों में निंदा करता हूं।

क्या कहा था कांग्रेस अध्यक्ष ने

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी की। इस बयान के बाद राजनीति में सियासी विवाद खड़ा हो गया है। चेन्नई में प्रचार के दौरान खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए 'आतंकवादी' शब्द का इस्तेमाल किया और [illegible] के बीजेपी के साथ गठबंधन पर सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि जो पार्टी समानता और न्याय की बात करती है, वह मोदी के साथ कैसे जा सकती है। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद खरगे ने सफाई दी कि उन्होंने पीएम मोदी के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है।

गेहूं खरीदी : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बोले-

बारदाने हो या स्लॉट की बुकिंग किसानों को कोई दिक्कत नहीं हो

भोपाल। दोपहर मेट्रो

विदिशा संसदीय क्षेत्र में रबी सीजन के दौरान गेहूं खरीदी की जमीनी हकीकत जानने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस बैठक में क्षेत्र की सभी आठ विधानसभा सीटों के विधायक, जिलों के कलेक्टर और विभागीय अधिकारी शामिल हुए। चर्चा के दौरान किसानों को आ रही दिक्कतों, स्लॉट बुकिंग, बारदाने की उपलब्धता और तौल व्यवस्था जैसे मुद्दों पर विस्तार से बात हुई। मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गेहूं खरीदी में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनावश्यक परेशानी किसानों को नहीं उठानी पड़े।बैठक में विदिशा संसदीय क्षेत्र की सभी विधानसभा सीटों, विदिशा, सांची, गंजबासौदा, बुधनी, भोजपुर, खातेगांव और इछावर

की स्थिति की बारीकी से समीक्षा की गई। कलेक्टरों ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि विधायकों ने जमीनी स्तर पर सामने आ रही समस्याओं को सीधे मंत्री के सामने रखा। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने दोहराया कि कागजों में नहीं, जमीन पर व्यवस्था बेहतर दिखनी चाहिए। उन्होंने संकेत दिए कि केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि वास्तविक हालात से व्यवस्था का मूल्यांकन होगा।

बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो

समीक्षा के दौरान मंत्री ने खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदी सिर्फ प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसानों से सीधे जुड़ा संवेदनशील काम है। इसके तहत हर केंद्र पर छांव, पेयजल, तौल कांटे और समयबद्ध खरीदी जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी कहा गया कि किसानों को लाइन में लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े, इसके लिए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाए।बैठक के अंत में केंद्रीय मंत्री चौहान ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि बारदाने की कमी या देरी जैसे कारणों से खरीदी प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई होगी।

अब तक गेहूं खरीदी का 11 फ़ीसदी लक्ष्य पूरा

भोपाल। किसानों से गेहूं खरीदने की तारीख बार बार बढ़ाने के बाद भी पिछले 11 दिनों में सरकार अब तक अपने लक्ष्य का करीब 11 फ़ीसदी ही हासिल कर सकी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक एक लाख 88 हजार 971 किसानों से 81 लाख 76 हजार 970 क्विंटल यानी करीब साढ़े आठ लाख टन गेहूं की खरीदी हुई है। जबकि सरकार का लक्ष्य कुल 78 लाख टन खरीदी का है। हालांकि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने दावा किया है कि गेहूं खरीदी पूरी क्षमता के साथ की जा रही है। किसानों को 920 करोड़ 7 लाख रुपए का भुगतान उनके बैंक खाते में किया जा चुका है। अभी तक 5 लाख 36 हजार 367 किसानों द्वारा 2 करोड़ 25 लाख 96 हजार 450 क्विंटल गेहूँ के विक्रय के लिये स्लॉट बुक किये जा चुके हैं। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़कर 6 कर दी गई है। इससे समय पर किसानों द्वारा लाये गए गेहूं की तुलाई हो सकेगी। खरीदी के लिये 3171 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। सेटेलाइट ई-मेल में मिलान नहीं पाए गए खसरों को छोड़कर उसी किसान के शेष खसरों पर गेहूँ की फसल विक्रय हेतु स्लॉट बुकिंग की सुविधा दी गई है।

उपार्जन केंद्रों में गेहूँ विक्रय की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। वहां छायादार स्थान में बैठने और पेयजल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र में बारदाने, तौल कांटे सिलाई मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छनना आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। इसके लिए आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। उपार्जित गेहूँ को रखने के लिये जूट बारदानों के साथ ही पीपी/एचडीपी बैग एवं जूट के भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है।

महिला आरक्षण पर तकरार

बीजेपी के आक्रोश के बाद 24 को कांग्रेस का काउंटर अटैक, निकालेगी बड़ा मार्च

भोपाल। दोपहर मेट्रो

महिला आरक्षण के मुद्दे पर मध्य प्रदेश में सियासत गरमाई हुई है। बीजेपी की आक्रोश रैली के बाद अब कांग्रेस काउंटर अटैक की तैयारी कर रही है। बीजेपी के बाद अब प्रदेश कांग्रेस के तमाम बड़े नेता सड़क पर उतरने जा रहे हैं। कांग्रेस नेता 24 अप्रैल को राजधानी भोपाल में बड़ा मार्च निकालने जा रही है। इस मार्च में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित तमाम बड़े नेता शामिल होंगे। कांग्रेस के मुताबिक राजधानी भोपाल के बाद प्रदेश भर में इस तरह की रैलियां निकालकर बीजेपी के झूठ का

पर्दाफाश किया जाएगा।

नारी वंदन अधिनियम को विपक्ष का साथ न मिल पाने को लेकर बीजेपी लगातार कांग्रेस पर निशाना साध रही है। मध्य प्रदेश बीजेपी द्वारा महिला आरक्षण के मुद्दे पर सोमवार को राजधानी भोपाल में आक्रोश पदयात्रा निकाली थी, इसमें मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव के अलावा महिला मंत्री, सांसद और बीजेपी कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसके जवाब में अब कांग्रेस 24 अप्रैल को भोपाल में रैली निकालने जा रही है।मध्य प्रदेश मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने आरोप लगाया कि 'केन्द्र की मोदी सरकार महिला आरक्षण बिल को लेकर जनता को गुमराह कर रही है।

इंदौर में डेली कॉलेज में भाजपा का आयोजन

दिग्विजय सिंह ने पत्र लिखकर जताई आपत्ति

इंदौर। दोपहर मेट्रो

डेली कॉलेज में 22 अप्रैल से भाजपा के सात राज्यों के नेताओं के प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारी के बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने डीसी बोर्ड के प्रेसिडेंट को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है। उन्होंने लिखा कि परिसर का भाजपा और उससे जुड़े राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए बार-बार उपयोग किया जा रहा है। इससे डेली कॉलेज की प्रतिष्ठा, निष्पक्षता और संस्थागत स्वतंत्रता को गंभीर क्षति पहुंच रही है।

उन्होंने लिखा कि एक संरक्षक के

रूप में यह पत्र अत्यंत क्षोभ, निराशा, पीड़ा और गहरी चिंता के साथ लिख रहा हूं। मैं अत्यंत कड़े शब्दों में डेली कॉलेज परिसर, नाम, प्रतिष्ठा और भौतिक प्रांगण का उपयोग भाजपा, संघ और उनसे संबद्ध राजनीतिक तंत्र से जुड़े कार्यक्रमों के लिए बार-बार किए जाने की निंदा करता हूं। डेली कॉलेज कोई साधारण संपत्ति नहीं है।

दिग्विजय सिंह ने आगे लिखा कि सितंबर-2025 के आसपास भी डेली कॉलेज परिसर और प्रवेश द्वारों पर भगवा झंडे, बैनर सहित अन्य ऐसी दृश्य सामग्री लगी दिखाई दी थी, जो सत्ताधारी व्यवस्था से जुड़े किसी राजनीतिक कार्यक्रम से संबंधित थी। यह बार-बार होने वाली घटनाएं, जब एक साथ देखी जाती हैं, तो यह चिंताजनक आभास देती हैं।

महंगाई भत्ता बढ़ोत्तरी की फाइल अटकी

प्रदेश में कर्मचारियों-अधिकारियों में रोष, बीएसएनएल के कर्मचारी आंदोलन की राह पर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सार्वजनिक उपक्रमों में औद्योगिक महंगाई भत्ता (आईडीए) बढ़ाया गया है। आईडीए में कुल 5.2 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई है लेकिन कर्मचारियों, अधिकारियों को इसका लाभ नहीं दिया जा रहा है। औद्योगिक महंगाई भत्ता यानि आइडीए बकाया के भुगतान की फाइल अटका ली है। ऐसे में सरकारी अमला लामबंद होकर विरोध प्रदर्शन पर उतर आया है। बीएसएनएल के कर्मचारियों ने तो महंगाई भत्ता देने की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी, यदि मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। बीएसएनएल की सभी यूनियनों और एसोसिएशनों ने सोमवार को पूरे देश में भोजनावकाश के दौरान प्रदर्शन किया। भोपाल, उज्जैन सहित प्रदेश के अनेक शहरों में कर्मचारियों, अधिकारियों ने दूरसंचार कार्यालयों के पास नारेबाजी की।

राजधानी भोपाल में भी बीएसएनएल कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन के मप्र परिमंडल सचिव आरके दीपक ने बताया, यह प्रदर्शन देशभर में किया जा रहा है। दूरसंचार विभाग द्वारा अप्रेल महीने के वेतन के साथ औद्योगिक महंगाई भत्ता यानि आइडीए बकाया के भुगतान की फाइल को मंजूरी देने में की जा रही अनावश्यक देरी के विरोध में प्रदर्शन किया गया। बीएसएनएल के कर्मचारी, अधिकारियों के साथ-साथ पेंशनभोगी भी प्रभावित हुए हैं। उन्होंने हाल ही में 16 अप्रेल को देशभर में सभी सीसीए कार्यालयों पर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन आयोजित किए थे। ऑल यूनियन एंड एसोसिएशन ऑफ बीएसएनएल (एयूएबी) के बैनर तले महंगाई भत्ते की मांग को लेकर उज्जैन में भी प्रदर्शन किया गया। देवासगेट स्थित बीएसएनएल कार्यालय के सामने भोजनावकाश में प्रदर्शन किया। अधिकारी-कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की।

एयूएबी, उज्जैन के संयोजक मनोज शर्मा ने बताया सार्वजनिक उपक्रमों में जनवरी 2026 से 3.5 प्रतिशत और अप्रैल 2026 से 1.7 प्रतिशत औद्योगिक महंगाई भत्ते (आईडीए) बढ़ा है। इस प्रकार आईडीए में कुल 5.2 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है लेकिन सरकार टालमटोली कर रही है। 3 माह बीत जाने के बाद भी महंगाई भत्ता में बढ़ोत्तरी के संबंध में आधिकारिक आदेश जारी नहीं किए गए हैं। इससे कर्मचारी, अधिकारी असंतुष्ट हैं। बीएसएनएल के पेंशनर्स भी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऑल इंडिया बीएसएनएल पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में कई जिला इकाइयां प्रदर्शन कर रही हैं। पेंशनरों ने सरकार से जनवरी 2017 से पेंशन रिवीजन, महंगाई भत्ता के शीघ्र भुगतान और आठवें वेतन आयोग की सुविधाएं प्रदान करने की मांग की है।

सिंगरौली डकैती के बाद पुलिस अलर्ट...

एमपी के सभी सरकारी और निजी बैंकों का होगा सुरक्षा ऑडिट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पिछले सप्ताह सिंगरौली के बैंक आफ महाराष्ट्र की शाखा में डकैती के बाद पुलिस प्रदेश के सभी बैंकों का सुरक्षा आडिट कराने जा रही है। इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने इंदौर और भोपाल के पुलिस आयुक्त और सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर निर्देशित किया है। इसमें मुख्य रूप से यह देखा जाएगा कि बैंकों में सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड, अलार्म आदि की व्यवस्था किस स्तर की है। इसमें सुधार की क्या आवश्यकता है। कमी का विश्लेषण करते हुए सभी बैंकों को सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम करने के लिए कहा जाएगा। बता दें, इस वारदात के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर डीजीपी कैलाश मकवाणा भी हेलीकाप्टर से सिंगरौली पहुंचे थे। तब उन्होंने सुरक्षा प्रबंध के बारे में भी बैंक और पुलिस अधिकारियों से जानकारी ली थी, इसी कड़ी में अब सभी सरकारी और निजी बैंकों का आडिट कराया जा रहा है। पहली बार है जब पुलिस सुरक्षा आडिट करने जा रही है। इसके पहले एक साथ सभी बैंकों में सुरक्षा प्रबंध का आडिट एक साथ कभी नहीं हुआ। ऑडिट में यह देखा जाएगा कि सीसीटीवी कैमरे कितने लगे हैं। उनसे सभी महत्वपूर्ण क्षेत्र कवर हो रहे हैं या नहीं। इन कैमरों की गुणवत्ता कैसी है। बैंकों के आसपास के क्षेत्रों में कहां-कहां कैमरे लगे हैं। सुरक्षा के लिहाज से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कैमरों का नाइट विजन और स्टोरेज बैकअप मानकों के अनुरूप हो। इसके साथ ही सुरक्षा गार्ड अलग-अलग पाली में कितने लगे हैं, इसकी भी जांच होगी। यह देखा जाएगा कि वे मानकों के अनुसार हैं या नहीं और उनके पास हथियार हैं या नहीं।

शिक्षा विभाग का नया नियम: 20 से कम छात्र वाले स्कूलों से हटेंगे अतिरिक्त शिक्षक

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का जमावड़ा एक बड़ी समस्या बनने लगा है। इसकी वजह से उन स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी हो गई है जहां उनकी सबसे अधिक जरूरत है। स्कूल शिक्षा विभाग ने अब इस असंतुलन को दूर करने की कवायद शुरू कर दी है। फिलहाल यह तय किया गया है कि जिस स्कूल में 20 से कम विद्यार्थी हैं, वहां अतिरिक्त शिक्षकों की तैनाती नहीं की जाएगी। इसके बजाय, ऐसे शिक्षकों को उन स्कूलों में भेजा जाएगा जहां पद रिक्त हैं और छात्रों की संख्या अधिक है।

कैग की रिपोर्ट में सामने आईं गंभीर खामियां

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की 2026 की रिपोर्ट में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की कई खामियां उजागर हुई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में करीब एक लाख शिक्षकों के पद अभी भी खाली हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि 1,895 स्कूल ऐसे हैं जहां एक भी शिक्षक नहीं है, जबकि 435

स्कूलों में छात्रों का नामांकन शून्य है। विभाग ने निर्णय लिया है कि शून्य नामांकन वाले स्कूलों के शिक्षकों को भी दूसरे स्कूलों में भेजा जाएगा। इसके अलावा, प्रदेश के 29,116 स्कूल वर्तमान में केवल एक या दो शिक्षकों के भरोसे चल रहे हैं।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच बड़ा असंतुलन

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों की स्थिति सबसे अधिक खराब है। यहां शिक्षकों की भारी कमी है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसके विपरीत, शहरी क्षेत्रों में कई स्कूलों में आवश्यकता से अधिक (अतिशेष) शिक्षक पदस्थ हैं। उदाहरण के तौर पर, अकेले भोपाल जिले में करीब 550 अतिशेष शिक्षक मौजूद हैं। आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों के 62,213 स्कूलों में 2,81,887 स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल 1,98,175 शिक्षक कार्यरत हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों के 4,601 स्कूलों में 47,556 स्वीकृत पदों के मुकाबले 43,319 शिक्षक मौजूद हैं।

समायोजन की प्रक्रिया शुरू

इस असंतुलन को ठीक करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग कर उन्हें आवश्यकता वाले स्कूलों में पदस्थ किया जाएगा। इस दौरान शिक्षकों से उनकी प्राथमिकता भी पूछी जाएगी, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और संतुलित बनी रहे। साथ ही, पहले से रिक्त पदों का सटीक आकलन करने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे भविष्य में दोबारा अतिशेष की स्थिति निर्मित न हो।

मेट्रो एंकर — देश के कई महानगरों में निगम चला रहे सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल

नगर निगम की राजधानी में एक डिस्पेंसरी तक नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद और पुणे जैसे बड़े शहरों में नगर निगम (म्युनिसिपालिटी) न सिर्फ सफाई और पानी जैसी बुनियादी सेवाएं दे रहे हैं, बल्कि मल्टी स्पेशियलिटी और सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल भी संचालित कर रहे हैं। इन अस्पतालों में आम नागरिकों को मुफ्त या बेहद कम खर्च में इलाज मिल रहा है। लेकिन भोपाल में स्थिति उलट है। यहां नगर निगम के पास अपना एक भी अस्पताल नहीं है। इतना ही नहीं, निगम की जो एक डिस्पेंसरी थी, वह भी करीब दो साल पहले बंद हो चुकी है।

बता दें कि करीब 25 लाख आबादी और 700 वर्ग किमी से अधिक क्षेत्र में फैले भोपाल में नगर निगम का स्वास्थ्य ढांचा लगभग नदारद है। निगम कर्मचारियों के लिए संचालित डिस्पेंसरी भी अब बंद पड़ी है, जिससे नगर निगम के 14 हजार से ज्यादा कर्मचारी इलाज के लिए भटक रहे हैं। दूसरी ओर, मुंबई

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के केईएम, सायन और नायर अस्पताल रोजाना हजारों मरीजों का इलाज कर रहे हैं। दिल्ली में हिंदूराव और कस्तूरबा अस्पताल प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र हैं। वहीं अहमदाबाद और पुणे में भी नगर निगम अपने-अपने स्तर पर मजबूत हेल्थ सिस्टम चला रहे हैं। भोपाल में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह राज्य सरकार पर निर्भर हैं। हमीदिया, जेपी और काटजू जैसे बड़े अस्पताल शहर में जरूर हैं, लेकिन ये सभी स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित हैं। नगर निगम की इनमें कोई सीधी भूमिका नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि तेजी से बढ़ती आबादी के हिसाब से नगर निगम स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं का नेटवर्क विकसित होना जरूरी है, ताकि बड़े अस्पतालों पर दबाव कम हो सके।

स्वास्थ्य सेवाओं पर पहल नहीं

नगर निगम हर साल करोड़ों का बजट खर्च करता है, लेकिन सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को लेकर ठोस पहल नजर नहीं आती। सफाई और सौंदर्यीकरण पर खर्च तो हो रहा है, लेकिन शहरी गरीबों के लिए सुलभ इलाज अब भी प्राथमिकता में नहीं है।नगर निगम कर्मचारियों को प्राथमिक इलाज देने वाली डिस्पेंसरी दो साल से बंद है। इसकी जगह संजीवनी क्लीनिक शुरू करने की बात कही गई, लेकिन अब तक यह शुरू नहीं हो सकी है।

1970 के दशक में शुरू हुई थी डिस्पेंसरी

यह डिस्पेंसरी 1970 के दशक में निगम कर्मचारियों और उनके परिजनों के लिए शुरू की गई थी। अप्रैल 2024 तक यह संचालित रही, लेकिन डॉक्टर के तबादले के बाद इसे बंद कर दिया गया। जब डिस्पेंसरी खोली गई थी, तब पहली डॉक्टर हबीबा सुल्तान आई थीं। इसके बाद दो डॉक्टर और आए। इसके अलावा यहां दो फार्मासिस्ट, कंपाउडर भी थे। 2023 में इनके रिटायर होने के बाद डिस्पेंसरी बंद कर दी गई। कर्मचारीअगर कहीं बाहर इलाज कराते थे तो बिल के आधार पर उनका पूरा खर्च नगर निगम उठाता (प्रतिपूर्ति करता) था। जानकारों का कहना है कि अगर निगम स्तर पर डिस्पेंसरी, अर्बन हेल्थ सेंटर और छोटे अस्पतालों का नेटवर्क विकसित किया जाए, तो आम लोगों को राहत मिलेगी और सरकारी अस्पतालों पर दबाव भी कम होगा।

अनिश्चित शांति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया है। युद्धविराम की समय सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले उठाया गया कदम फिलहाल क्षेत्र में शान्ति का संकेत तो है लेकिन क्योंकि शांति वार्ता का स्थगित होने से कई सवाल भी उठ रहे हैं। इस घोषणा से उन आशंकाओं को कुछ हद तक कम करने में मदद मिली कि ऊर्जा बाजारों और वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला देने वाली लड़ाई जल्द ही फिर से शुरू हो जाएगी। पाकिस्तान ने वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी करने की योजना बनाई थी, लेकिन व्हाइट हाउस ने उपराष्ट्रपति जेडी वैंस की इस्लामाबाद की नियोजित यात्रा को स्थगित कर दिया क्योंकि ईरान ने वार्ता को फिर से शुरू करने के प्रयासों को ठुकरा दिया था।

विश्लेषकों का मानना है कि ट्रम्प का यह फैसला ईरान पर दबाव बनाए रखने और अंतिम बातचीत से पहले अपनी स्थिति मजबूत करने का एक कूटनीतिक पैंतरा है। यह युद्ध को तुरंत शुरू होने से रोकता है लेकिन स्थायी शांति की गारंटी नहीं देता। ईरान ने दूसरे दौर की बातचीत के लिए ट्रम्प की शर्तों को मानने से इंकार कर दिया था, इसी वजह से वार्ता टालनी पड़ी है लेकिन मिडिल ईस्ट में जिस तरह से अमेरिका ने घेराबंदी की है , उससे आशंकाओं को तो बल मिल ही रहा है। इस संघर्ष में अब तक भारी जानमाल का नुकसान हो चुका है। ईरान में 3,300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लेबनान में 2,200 से अधिक लोगों ने जान गंवाई है। इसके अलावा इजराइल में 23 लोगों की मौत हुई है और खाड़ी देशों में भी कई लोग मारे गए हैं। क्षेत्र में तैनात 13 अमेरिकी सैनिक और लेबनान में 15 इजराइली सैनिक भी इस संघर्ष में मारे जा चुके हैं।

सीजफायर बढ़ाने के बावजूद, ट्रम्प ने स्पष्ट किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी जारी रहेगी। यह दर्शाता है कि तनाव अभी भी अत्यधिक है। यह सीजफायर पाकिस्तान के अनुरोध पर बढ़ाया गया है, जो इस क्षेत्र में वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। अमेरिका ने ईरान के सामने 'साझा प्रस्ताव' रखने की शर्त रखी है, जिसके बाद ही बातचीत का अगला दौर आगे बढ़ेगा। इस खबर के बाद तेल की कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया है, क्योंकि बाजार अभी भी इस अनिश्चित स्थिति को लेकर आशंकित हैं।

विश्व पृथ्वी दिवस पर विशेष

भीतर ही भीतर धधकती धरती, विकास की अंधी दौड़ या विनाश का काउंटडाउन

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

धरती आज केवल गर्म नहीं हो रही, वह मानो भीतर ही भीतर धधक रही है और यह आग प्राकृतिक नहीं, मानवीय लालसाओं की उपज है। हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'विश्व पृथ्वी दिवस' मानव सभ्यता के सामने खड़े उस गहन संकट की चेतावनी है, जिसे हमने स्वयं अपने हाथों से जन्म दिया है। विडंबना यह है कि जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक मंचों (दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन) में वर्षों से चिंतन, विमर्श और संकल्पों की पुनरावृत्ति होती रही है किन्तु धरातल पर परिवर्तन नगण्य है। विकास की परिभाषा जब केवल आर्थिक वृद्धि, उपभोग और संसाधनों के अधिकतम दोहन तक सीमित हो जाए तो प्रकृति का संतुलन बिगड़ना अपरिहार्य हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में प्रकृति अपने विकराल रूप के माध्यम से लगातार संकेत दे रही है कि संतुलन की सीमा लांघी जा चुकी है। कहीं भीषण सूखा, कहीं अनियंत्रित वर्षा, कहीं असामान्य ठंड और कहीं प्रचंड गर्मी, मौसम अब अनुमान का विषय नहीं रहा। उत्तरी ध्रुव के तापमान में असामान्य वृद्धि और पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ती गर्माहट इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करती है।

विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल-दर-साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल-दर-साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहारस्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सबकुछ नष्ट कर डालने में पलभर की देर नहीं लगेगी।

यह केवल आंकड़ों की कहानी नहीं बल्कि उस असंतुलन की सजीव अभिव्यक्ति है, जिसे हमने तथाकथित विकास के नाम पर जन्म दिया है। वनों की अंधाधुंध कटाई ने न केवल जैव विविधता को संकट में डाला है बल्कि कार्बन संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप, वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। सवाल है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पेट्रोल और डीजल आधारित ऊर्जा स्रोतों ने वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर इतना बढ़ा दिया है कि पृथ्वी की तापीय संतुलन प्रणाली चरमराने लगी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है।

धरती के बढ़ते तापमान का प्रभाव अब केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा बल्कि यह मानव अस्तित्व के लिए भी चुनौती बन चुका है। ध्रुवीय क्षेत्रों में तेजी से पिघलती बर्फ समुद्र के जलस्तर को बढ़ा रही है, जिससे विश्व के कई तटीय शहरों के डूबने का खतरा मंडरा रहा है। आने वाले दशकों में तापमान में संभावित 4-5 डिग्री की वृद्धि न केवल जंगलों में आग की घटनाओं को बढ़ाएगी बल्कि विशाल भूभाग को सूखे और मरुस्थलीकरण की ओर धकेल देगी।

अब प्रश्न यह नहीं कि संकट है या नहीं बल्कि यह है कि क्या हम इसे स्वीकार कर समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने को तैयार हैं? पृथ्वी दिवस हमें केवल जागरूकता का संदेश नहीं देता बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी प्रदान करता है। आवश्यकता इस बात की है कि विकास की अवधारणा को पुनर्परिभाषित किया जाए, जहां आर्थिक उन्नति के साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी समान महत्व मिले। नवीकरणीय ऊर्जा, वनीकरण, जल संरक्षण और सतत विकास की नीतियां अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता बन चुकी हैं। यदि हम अब भी नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियां हमें उस पीढ़ी के रूप में याद करेंगी, जिसने अपनी सुविधाओं के लिए पूरी पृथ्वी को संकट में डाल दिया। धरती हमारी विरासत नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों से लिया गया उधार है और इस उधार को सुरक्षित लौटाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

परंपरा, बाजार और बदलती पहचान समाज की भूमिका है महत्वपूर्ण

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

भारत की सांस्कृतिक संरचना में त्योहारों का स्थान केवल आनंद और उत्सव तक सीमित नहीं है बल्कि वे समाज की ऐतिहासिक स्मृति, आर्थिक संरचना, प्रकृति के साथ संबंध और मानवीय संवेदनाओं के गहरे ताने-बाने से जुड़े होते हैं। यहाँ त्योहार जीवन के हर पहलू को स्पर्श करते हैं- खेती, ऋतु परिवर्तन, पारिवारिक संबंध, सामूहिकता और आस्था। लेकिन वर्तमान समय में यह प्रश्न गंभीरता से उठाया जाने लगा है कि क्या हमारे पारंपरिक त्योहार अपनी मूल आत्मा से दूर हो रहे हैं? क्या उन पर एक प्रकार का 'सांस्कृतिक हमला' हो रहा है, जो धीरे-धीरे उनकी असल पहचान को बदल रहा है?

सांस्कृतिक हमला शब्द भले आक्रामक प्रतीत होता हो लेकिन इसका आशय किसी एक वर्ग या समूह पर आरोप लगाना नहीं है। यह उस धीमी, सूक्ष्म और कई बार अनदेखी प्रक्रिया की ओर संकेत करता है, जिसके माध्यम से परंपराएँ अपने मूल सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ से हटकर नए अर्थ ग्रहण करने लगती हैं। यह परिवर्तन कभी स्वाभाविक होता है तो कभी सुनियोजित आर्थिक और वैचारिक प्रभावों का परिणाम भी हो सकता है। भारतीय त्योहारों की जड़ें मुख्यतः कृषि और प्रकृति से जुड़ी रही हैं। देश का अधिकांश समाज सदियों तक कृषि आधारित रहा है इसलिए फसल, मौसम और भूमि के साथ उसका गहरा रिश्ता रहा। फसल कटने की खुशी, नई बुवाई की शुरुआत, वर्षा के आगमन का स्वागत- ये सब त्योहारों के माध्यम से व्यक्त होते थे। इन उत्सवों में किसान केंद्र में होता था क्योंकि वही अन्न का उत्पादक था और वही समाज की जीवन रेखा को बनाए रखता था। ऐसे त्योहारों में आडंबर कम और सहभागिता अधिक होती थी। लोग मिलकर गाते-बजाते, सामूहिक भोज करते और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते थे। जैसे-जैसे समाज में शहरीकरण बढ़ा, औद्योगिकीकरण हुआ और बाजार की ताकतें मजबूत हुईं, त्योहारों का स्वरूप भी बदलने लगा। अब त्योहारों को केवल सांस्कृतिक या सामाजिक दृष्टि से नहीं बल्कि आर्थिक अवसर के रूप में भी देखा जाने लगा। बाजार ने त्योहारों को उपभोग से जोड़ दिया-जहाँ खरीदारी, सजावट और प्रदर्शन को प्रमुखता मिलने लगी। त्योहारों के साथ 'ऑफर', 'डिस्काउंट' और 'शुभ खरीदारी' जैसे विचार जुड़ गए, जिसने उनके मूल स्वरूप को प्रभावित किया।

यह बदलाव केवल बाहरी नहीं है बल्कि मानसिकता में भी आया है। पहले त्योहारों का अर्थ था-मिलना-जुलना, आपसी साझेदारी की भावना और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना। अब कई जगहों पर यह प्रतिस्पर्धा का रूप ले चुका है- किसने कितना खर्च किया, किसने क्या खरीदा, किसका आयोजन कितना भव्य था। इस प्रक्रिया में त्योहारों की आत्मा कहीं पीछे छूटती चली गई। त्योहारों पर सांस्कृतिक हमले की चर्चा करते समय एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है- लोक परंपराओं का हाशिए पर जाना। भारत में हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट परंपराएँ रही है, जो स्थानीय जीवनशैली, भाषा और संसाधनों से जुड़ी होती थीं। लेकिन आज मीडिया और बाजार के प्रभाव में एक प्रकार की सांस्कृतिक एकरूपता देखने को मिल रही है। कुछ खास त्योहारों और उनके खास तरीकों को पूरे देश में मानक बना दिया गया है, जिससे स्थानीय विविधताएँ धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं। उदाहरण के लिए, कई ऐसे लोकपर्व जो कभी कृषि और ग्रामीण जीवन से जुड़े थे, अब शहरी और धार्मिक व्याख्याओं में बदल गए हैं। उनकी मूल भावना- जो श्रम, प्रकृति और सामूहिकता से जुड़ी थी- अब पौराणिक कथाओं और बाजार-प्रेरित प्रतीकों के पीछे दबती जा रही है। इससे समाज के उस वर्ग की भूमिका कम होती जा रही है, जो वास्तव में इन त्योहारों की आत्मा रहा है- यानी किसान और श्रमिक। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि हर बदलाव को नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। संस्कृति का स्वभाव ही परिवर्तनशील होता है। समय के साथ उसमें नए तत्व जुड़ते हैं और यही उसकी जीवंतता का प्रमाण है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब यह परिवर्तन असंतुलित हो जाता है- जब वह समाज के मूल आधार को कमजोर करने लगता है। आज के संदर्भ में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम अपने त्योहारों के मूल अर्थ को समझ पा रहे हैं? क्या हम यह पहचान रहे हैं कि वे केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन का प्रतिबिंब भी हैं? यदि त्योहारों में किसान की भूमिका को भुला दिया जाता है, यदि श्रम के सम्मान को नजरअंदाज किया जाता है तो यह एक गंभीर सांस्कृतिक असंतुलन का संकेत है।

त्योहारों को बाजार से पूरी तरह अलग करना संभव नहीं है और न ही यह आवश्यक है। बाजार भी समाज का ही एक हिस्सा है और वह अपनी भूमिका निभाता है। लेकिन यह जरूरी है कि बाजार त्योहारों की आत्मा पर हावी न हो। उपभोग और आडंबर के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है ताकि त्योहारों की मूल भावना जीवित रह सके।

इस दिशा में समाज की जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि लोग स्वयं यह समझें कि त्योहारों का वास्तविक अर्थ क्या है, तो वे उन्हें उसी भावना के साथ मनाने का प्रयास करेंगे। स्थानीय परंपराओं को पुनर्जीवित करना, सामूहिक आयोजनों को बढ़ावा देना और प्रकृति के साथ अपने संबंध को मजबूत करना- ये कुछ ऐसे कदम हैं, जो इस सांस्कृतिक असंतुलन को कम कर सकते हैं। शिक्षा और मीडिया की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि वे त्योहारों की गहराई और उनके सामाजिक संदर्भ को सही तरीके से प्रस्तुत करें तो समाज में जागरूकता बढ़ सकती है। इसके साथ ही, नीति-निर्माताओं को भी इस दिशा में विचार करना चाहिए कि कैसे लोक संस्कृति और ग्रामीण परंपराओं को संरक्षित और प्रोत्साहित किया जाए।

अंततः, सांस्कृतिक हमले का मुकाबला किसी एक दिन या एक प्रयास से नहीं किया जा सकता। यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। हमें अपने त्योहारों को केवल परंपरा के रूप में नहीं बल्कि जिम्मेदारी के रूप में भी देखना होगा- एक ऐसी जिम्मेदारी, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

मसल्स-इम्यूनिटी के लिए 40 की उम्र के बाद प्रोटीन की सही मात्रा जरूरी

40 की उम्र के बाद शरीर में कई बदलाव शुरू हो जाते हैं। इनमें एक बड़ा बदलाव है मांसपेशियों का धीरे-धीरे कम होना। ऐसे में प्रोटीन के सेवन से इन बदलावों को अनियंत्रित होने से बचाया जा सकता है। प्रोटीन शरीर के लिए बेहद जरूरी है। यह मांसपेशियों, हड्डियों, त्वचा और बालों के निर्माण और उनकी रिपेयरिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रोटीन के नियमित सेवन से इम्यूनिटी और ऊर्जा बढ़ती है, भूख कम लगती है, वजन कंट्रोल में रहता है, एंजाइम और हार्मोन की गतिविधि नियंत्रित रहती है।

नियमित रूप से सही मात्रा में प्रोटीन का सेवन करने से मांसपेशियों की मजबूती बनी रहती है। शरीर मजबूत रहता है और रोजमर्रा के काम आसानी से किए जा सकते हैं। प्रोटीन के सेवन से मजबूत मांसपेशियां और हड्डियां शरीर को संतुलित रखती हैं, जिससे गिरने और चोट लगने का खतरा कम रहता है। शरीर की रिपेयरिंग में मदद करता है, जिससे बीमारी या चोट जल्दी ठीक हो जाती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे शरीर की संक्रमण से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

प्रोटीन कब और कैसे लेना चाहिए ?: रोजाना प्रोटीन का सेवन करना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है प्रोटीन का सही मात्रा में सेवन करना। सही मात्रा, सही समय और सही तरीके से प्रोटीन का सेवन करने से सही लाभ मिलता है। इसके लिए दिन में एक बार बहुत ज्यादा प्रोटीन खाने की बजाय उसे हर भोजन में बांट लें। हर भोजन में लगभग 20-30 ग्राम प्रोटीन लेना बेहतर माना जाता है। इससे शरीर प्रोटीन को बेहतर तरीके से उपयोग कर पाता है। भोजन में प्रोटीन को 2 तरह से शामिल किया जा सकता है- वेजिटेरियन और नॉनवेजिटेरियन। दोनों के स्रोत और फायदे इस प्रकार हैं- वेजिटेरियन प्रोटीन के स्रोत- दूध, दही, पनीर, मसूर, मूंग, चना, राजमा, छोले, सोया, ड्राई फ्रूट्स, सीड्स, ओट्स और साबुत अनाज वेजिटेरियन प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं। वेजिटेरियन प्रोटीन डाइट फाइबर और विटामिन से भरपूर है, दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है और वजन कंट्रोल करने में मदद करती है। नॉनवेजिटेरियन प्रोटीन के स्रोत- अंडा, चिकन और मछली हैं। यह पूर्ण प्रोटीन होता है और शरीर इसे आसानी से उपयोग कर लेता है। नॉनवेजिटेरियन प्रोटीन मांसपेशियों के लिए बहुत फायदेमंद है।

ज्यादा प्रोटीन से नुकसान: जरूरत से ज्यादा प्रोटीन का सेवन नुकसान कर सकता है, खासकर जब सप्लीमेंट्स का अधिक उपयोग किया जाए। प्रोटीन का सेवन ज्यादा करने से किडनी पर दबाव (खासकर पहले से समस्या हो तो) पड़ता है, पेट में गैस या कब्ज की समस्या शुरू हो जाती है, शरीर में पानी की कमी होने लगती है, जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेने से वजन बढ़ने लगता है।

40 की उम्र के बाद बदलें लाइफस्टाइल: 40 वर्ष की उम्र के बाद शरीर को पहले से ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है। इस समय प्रोटीन बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निशाना

एक बिचारी मानवता..!

मनोज जैन मधुर

कटने-बटने की भाषा है, जिनकी वानी में।
विष के पत्थर घोल रहे हैं, वे सब पानी में।
यह कट्टरता जहाँ रहे, नफ़रत फैलाती है।
इन जुमलों से घृणा-द्वेष की, बद्बू आती है।
सब दिखता है फँसा रहे तुम, पेंच कहानी में।
बैर भाव की यह चिनगारी, आग लगाएगी।
एक विचारी मानवता ही, मारी जाएगी।
खून-खराबे की जय होगी, इस शैतानी में।
खतरे में इस्लाम बताने, बाले खूनी हैं।
हिंदू-हिंदू करने वाले, बड़े जुनूनी हैं।
लाशें ही बस लाशें होंगी, इस तूफानी में।
एक सूत्र में बंधकर रहना, बड़ी महारत है।
जिसकी निष्ठा इस धरती से, उसका भारत है।
क्या रक्खा है इधर-उधर की, खींचा-तानी में।
देश-द्रोहियो शरण तुम्हें क्यों, भारत माता दे?
अपने सिर पर बोझ तुम्हारा, नाहक क्यों लादे?
धुआं उठाने वाले सुनलें, फिजा सुहानी में।

नॉलेज

एक दांत से खुला हजारों साल पुराना मौत का राज, कोलंबस से पहले पहुंची थी भयावह बीमारी!

दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया में करीब 700 साल पुरानी एक ममी मिली है। उसकी खोपड़ी और चेहरे के हिस्से में मिले एक दांत ने वैज्ञानिकों की अब तक की मान्यता को झुठलाते हुए फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया है। अब तक यही माना जाता था कि स्कार्लेट फीवर जैसी बीमारी को यहां पर समुंदर पार करके आने वाले यूरोपीय उपनिवेशवाद ही लेकर आए। नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में प्रकाशित एक चौंकाने वाले रिसर्च से पता चलता है कि यह बीमारी अटलांटिक महासागर को पार करने वाले जहाजों के आने से सदियों पहले ही वहां पर मौजूद थी।

बोलीविया में मिली एक ममीकृत खोपड़ी के अंदर एक इकलौते दांत ने वैज्ञानिकों को इतिहास की सबसे पुरानी चिकित्सा मान्यताओं पर सवालिया निशान लगा दिया है। करीब 700 साल पुराने दांत ने उस बीमारी के बारे में दी जानकारी, जिसने हजारों की संख्या में लोगों को खत्म कर दिया था। अब तक यह माना जाता था कि यूरोपीय उपनिवेशवादी ही अमेरिका में 'स्कार्लेट फीवर' जैसी बीमारी को लेकर आए थे।

क्या है स्कार्लेट फीवर?: स्कार्लेट फीवर एक बैक्टीरिया जनित संक्रमण है जो स्ट्रैपटोकोकस पायोजेन्स की वजह से होती है। यह वही बैक्टीरिया है जो गले में संक्रमण के लिए जिम्मेदार है। आधुनिक एंटीबायोटिक्स का आविष्कार होने से पहले यह बीमारी बच्चों की मौत और विकलांगता का एक प्रमुख कारण थी, जिससे कभी-कभी देखने और सुनने की क्षमता भी चली जाती थी। लंबे समय तक स्कार्लेट फीवर को 'फ्रंटियर डिजीज' की कैटिगरी में रखा गया था। ऐसा माना जाता था कि यूरोप की तरफ से यहां बसने आए लोग इसे अपने साथ ही अमेरिका लेकर गए थे, जिससे वहां की मूल आबादी काफी हद तक तबाह हो गई थी क्योंकि उनके शरीर में इस बीमारी से लड़ने की क्षमता ही नहीं थी, लेकिन नया रिसर्च इस कहानी को पूरी तरह से बदलकर रख देता है।

दांत ने पुरानी धारणा को नकार दिया: इस जांच में पता चला कि प्राचीन बैक्टीरिया में आधुनिक स्ट्रैपटोकोकस पायोजेन्स के लगभग सभी रोगजनक जीन मौजूद थे। वैज्ञानिकों का ऐसा मानना है कि यह स्ट्रेन लगभग 10 हजार साल पहले अपने करीबी रिश्तेदारों से अलग हुआ था और शायद साइबेरिया की तरफ से बेरिंग जलडमरूमध्य पार करने वाले इंसानों के शुरुआती प्रवास के साथ अमेरिका की तरफ दाखिल हो गया था। आज भले ही एंटीबायोटिक्स ने स्कार्लेट फीवर को नियंत्रित कर लिया हो, लेकिन इसके आधुनिक स्ट्रेन तेजी से दवा-प्रतिरोधी होते जा रहे हैं। ऐसे में इसके प्राचीन इतिहास की स्टडी करना वैज्ञानिकों के लिए और भी जरूरी हो गया है।

अजब - गजब

गोबर और मिट्टी से बना दादी का सालों पुराना देसी फ्रिज, पल भर में कर देता है सामान ठंडा!

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हम हर छोटी-बड़ी जरूरत के लिए मशीनों और बिजली पर निर्भर हो चुके हैं। गर्मी बढ़ते ही सबसे पहले हमें याद आता है फ्रिज का ठंडा पानी या ठंडा दही। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हमारे बड़े-बुजुर्ग बिना बिजली के ही ऐसी ठंडक का इंतजाम कैसे कर लेते थे? हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने इस सवाल का बेहद दिलचस्प जवाब दिया है। वीडियो में राजस्थान की एक दादी ने अपने '100 साल पुराने देसी फ्रिज' को दिखाकर इंटरनेट पर लोगों को हैरान कर दिया।

दरअसल, इस वीडियो को @raj_rajasthaniwv नाम के यूजर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें देखा जा सकता है एक बुजुर्ग महिला हरे रंग की साड़ी पहने एक छोटी-सी झोपड़ीनुमा संरचना का दरवाजा खोलती नजर आती हैं। बाहर से देखने पर यह साधारण लगती है, लेकिन जैसे ही दरवाजा खुलता है, अंदर का नजारा चौंका देता है। भीतर साफ-सुथरे तरीके से स्टील और पीतल के बर्तनों में खाने-पीने का सामान रखा होता है। यह देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है कि यह कोई आधुनिक फ्रिज नहीं, बल्कि मिट्टी और गोबर से बना एक पारंपरिक 'देसी फ्रिज' है, जो सालों से काम कर रहा है।

कैसे काम करता है यह देसी फ्रिज ?: इस देसी फ्रिज की सबसे खास बात यह है कि यह पूरी तरह प्राकृतिक सिद्धांतों पर काम करता है। इसे बनाने में मिट्टी, गाय का गोबर और 'खींप' (एक प्रकार का राजस्थानी घास) नाम की खास घास का इस्तेमाल किया जाता है, जो तापमान को संतुलित रखने में मदद करते हैं। मिट्टी में मौजूद छोटे-छोटे छिद्रों के कारण पानी धीरे-धीरे वाष्पित(Evaporate) होता है, जिससे आसपास की गर्मी कम होती है और अंदर की हवा ठंडी बनी रहती है। इसके अलावा, ऊपर की तरफ घास की छत बनाई जाती है, जो तेज धूप और गर्म हवाओं (लू) से अंदर के हिस्से को बचाती है। इसी वजह से इस देसी फ्रिज के अंदर का तापमान बाहर की तुलना में काफी कम रहता है और सामान लंबे समय तक ताजा बना रहता है।

वीडियो पर लोगों की प्रतिक्रियाएं: इस वीडियो को अब तक 1.5 करोड़ से ज्यादा लोगों ने देख लिया है और लगभग 4 लाख से ज्यादा लोगों ने लाइक भी किया है। लोगों ने कमेंट्स में अपने बचपन की यादें भी साझा की हैं। कई लोगों ने बताया कि उन्होंने गांवों में ऐसी 'कोठी' या 'तेजोरी' देखी है, जहां इसी तरह सामान सुरक्षित रखा जाता था। आज पूरी दुनिया 'सस्टेनेबल लिविंग' और 'इको-फ्रेंडली' तरीकों की बात कर रही है लेकिन सच तो यह है कि हमारे पूर्वज यह जीवनशैली सदियों पहले से अपनाते आ रहे थे।

न्यूज विंडो

41 फीट विशाल शिवलिंग के दिव्य दर्शन 25 अप्रैल से

गंजबासौदा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, चर्च वाली गली बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र द्वारा नगर में पहली बार 41 फीट ऊंचे विशाल शिवलिंग के दिव्य दर्शन का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम 25 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित होगा। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए व्यसन मुक्ति चित्र प्रदर्शनी, सहज राजयोग चित्र प्रदर्शनी, देवी-देवताओं की चेतन्य झांकियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिव परमात्मा की आरती तथा मेडिटेशन अनुभूति शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 25 अप्रैल को शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में होगा।

आयोजन समिति ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर 41 फीट ज्योति स्वरूप शिवलिंग के दिव्य दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ लेने की अपील की है।

अवैध शराब परिवहन करते 110 पेटी बीयर जब्त, आरोपी गिरफ्तार

धार। अवैध शराब परिवहन को लेकर इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर पुलिस ने कार्यवाही की है। आरोपी पीकअप वाहन से बीयर की पेटियों को लेकर जा रहा था, सूचना पर गश्तु के दौरान संदिग्धर वाहन को रोका व तलाशी लेने पर बीयर की अवैध पेटियों को जप्ता किया। पुलिस आरोपी राकेश पिता भेरु को थाने पर लेकर गई, जहां पर आगामी पूछताछ की गई। राकेश ने बताया कि धार निवासी माईकल ने पीकअप वाहन सरदारपुर ले जाने के लिए दिया था, जहां से रात के अंधेरे में बीयर की पेटियां ग्रामीण क्षेत्रों में सप्लागई की जानी थी। किंतु स्थानीय पुलिस टीम की सजगता से शराब से भरे वाहन को जप्तत कर लिया गया। शराब जप्ता की कार्यवाही थाना प्रभारी अनिल जाधव के निर्देशन में उनि जगदीश निनामा द्वारा की गई है। दरअसल प्रतिमाह मासिक समीक्षा बैठक में उप पुलिस महानिरीक्षक मयंक अवस्थौ ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए थे। इसी कडी में एसडीओपी विश्व दीप सिंह परिहार के मागर्दर्शन में सरदारपुर पुलिस ने कार्यवाही की है। थाना प्रभारी अनिल जाधव ने जानकारी देते हुए बताया कि बोलेरो पीकअप वाहन क्रमांक एमपी-10 जी-3674 को मुखबिर की सूचना पर रोका गया था, चालक राकेश शराब परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तापवेज नहीं बता पाया। ऐसे में शराब सहित आरोपी को लेकर पुलिस थाने पर पहुंची। वाहन में 110 पेटी माउंट कंपनी की बीयर रखी हुई थी, शराब सहित वाहन की कुल कीमत 10 लाख 43 हजार रुपए है। रिमांड के दौरान आरोपी राकेश बताया कि धार निवासी माईकल ने सोनूरेस्टो रेंट के समीप से बोलेरो वाहन दिया था। मंगलवार को प्रकरण की जांच के लिए सरदारपुर पुलिस की टीम धार पहुंची। हालांकि अवैध शराब सप्लावयर माईकल पुलिस को नहीं मिला।

बड़वानी जिले के रूही गांव में था शादी का माहौल, 6 मौतों की खबर के बाद पसरी रूदाली

भीषण सड़क हादसा... एक साथ उठीं छह अर्थियां, शादी वाले गांव में पसरा मातम

बड़वानी। दोपहर मेट्रो

बडराजमार्ग पर मौत ने बारात का रास्ता छीन लिया। खरगोन रोड पर टोल प्लाजा के पास बोलेरो और टैंकर की आमने-सामने टक्कर में छह युवकों की जान चली गई। बोलेरो एमपी 46 टी 0894 में सात युवक सवार थे। ये सभी राजपुर के पास अतरसंभा गांव से रूई गांव आई बारात में शामिल होने आए थे। इनमें दूल्हे का भाई यशवंत भी था। बताया गया कि युवक रूई से जुलवानिया डीजल भरवाने आए थे। डीजल भरवाकर रूई लौट रहे थे। तभी जुलवानिया और रूई के बीच टोल प्लाजा के पास खरगोन से आ रहे टैंकर एमपी 09 बीजी 5750 से बोलेरो भिड़ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए।

सचिन पिता गोकुल वास्कले (25) निवासी पटेलपुरा साकड़, प्रद्युगन पिता गुलीचंद सहिते (25) निवासी सालखेड़ा और पह्लश्वपू पिता हीरालाल भिलाला (32) निवासी लिंबाई की मौके पर ही मौत हो गई। दो युवकों के शव बोलेरो में बुरी तरह फंस गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर शवों को निकाला। गंभीर घायल आकाश पिता दयाराम (25) निवासी रालामंडल सिवाई व सोहन पिता झबरसिंह बघेल (28) निवासी सालखेड़ा ने जुलवानिया अस्पताल में दम तोड़ दिया। सुरेश पिता मांगीलाल (28) निवासी देवझिरी, और यशवंत पिता सुपडिया (30) निवासी अतरसंभा को बड़वानी रेफर किया गया। परिजन यशवंत को निजी वाहन से बड़वानी ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। यशवंत को मिलाकर हादसे में छह लोगों की मौत हो गई।

शादी की खुशियां बदलीं मातम में

हादसे की खबर मिलते ही रूई में बारात का माहौल गमगीन हो गया। जुलवानिया अस्पताल में शवों के बीच परिजनों की चीखें गूंज उठीं। शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। शादी को जल्द निपटाकर लोग अर्थी की तैयारियों में जुट गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। टैंकर जइत कर चालक की तलाश जारी है।

बंद पड़ी एंबुलेंस

बड़े हादसों के लिए जुलवानिया पॉइंट पर 108 एंबुलेंस तैनात की गई थी। मकसद था कि गंभीर घायलों को गोल्डन ऑवर में इलाज मिले और समय रहते बड़वानी रेफर किया जा सके। पर मंगलवार को जब छह जिंदगियां सांसों से लड़ रही थीं, तब एंबुलेंस सुधार के लिए बंद खड़ी थी। जिम्मेदारों की लापरवाही ने सिस्टम की पोल खोल दी। पत्रिका की पहल पर हाईवे के हादसों को देखते हुए ये एंबुलेंस दी गई थी, लेकिन आज जब जरूरत पड़ी तो, एंबुलेंस को ही इलाज की जरूरत थी। देर से अंजड़ पॉइंट से आई 108 एंबुलेंस दो घायलों को लेकर राजपुर में खराब होकर खड़ी हो गई। इससे पहले यशवंत को परिजन निजी वाहन से बड़वानी ले गए, जिसने रास्ते में दम तोड़ दिया। सवाल उठता है। यदि एंबुलेंस चालू होती तो क्या एक जान नहीं बच जाती?

कार खाई में गिरी, सात घायल

पांदुर्णा। दोपहर मेट्रो

पांढुर्णा में एक कार अनियंत्रित होकर करीब 50 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार सात लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, कार में सवार सभी लोग बैतूल जिले के आठनेर के रहने वाले हैं। वे लांघा में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी बीच रास्ते में ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे खाई में जा गिरी। पुलिस हादसे की जांच कर रही है, लेकिन पहली नजर में तेज रफ्तार या अचानक संतुलन बिगड़ना ही एक्सीडेंट की वजह मानी जा रही है।

नर्मदापुरम-हरदा हाईवे पर एंबुलेंस में आग, मची भगदड़

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम-हरदा स्टेट हाईवे पर सांवलखेड़ा के पास बुधवार सुबह करीब 10-15 बजे एक एंबुलेंस में अचानक आग लग गई। ऑक्सीजन सपोर्ट पर मरीज को नर्मदापुरम ला रही इस एंबुलेंस में लगी आग को स्टाफ की सतर्कता और पुलिस की फुर्ती से बुझा लिया गया, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक, एंबुलेंस स्टाफ ने गाड़ी तुरंत रोकी और ऑक्सीजन सिलेंडर समेत मरीज को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन स्टाफ की हिम्मत ने सब संभाल लिया। घटना की सूचना पर डोलरिया से डायल 112 टीम और थाना प्रभारी प्रवीण चौहान फौरन पहुंचे। देहात थाने के प्रधान आरक्षक सुशील मिश्रा, आरक्षक अजय गुप्ता और हंड्रेड पायलट सुधीर उईके ने पास के पेट्रोल पंप से फायर एक्सटिंग्विशर लाकर आग पर काबू पा लिया। आग काबू करने के बाद

पुलिस ने मरीज को अपनी डायल 100 गाड़ी में शिफ्ट किया। फिर दूसरी 108 एंबुलेंस बुलाकर मरीज को नर्मदापुरम के अस्पताल सुरक्षित पहुंचा दिया गया।

डॉल्फिन स्कूल में ईको क्लब का आयोजन

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

डॉल्फिन स्कूल में ईको क्लब के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण को लेकर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता की भावना विकसित करना रहा।

कार्यक्रम प्रभारी सन्नी शर्मा एवं शैलेंद्र कुशवाह के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को स्वच्छता, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवन तथा वृक्षों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान आयोजित प्रेरणादायक व्याख्यान में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पॉलीथिन के स्थान पर जूट के थैलों के उपयोग का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बुक बैंक गतिविधि रही। इसके तहत विद्यार्थियों को पर्यावरण बचाने के उद्देश्य से अपनी पुरानी पुस्तकें जमा करने के लिए प्रेरित किया गया। पुस्तकालय प्रभारी सुमित रघुवंशी ने बताया कि

इस पहल में लगभग 300 विद्यार्थियों ने अपनी पुरानी पुस्तकें जमा कीं, जिसके बदले उन्हें नई कक्षा की पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं। इससे कागज की बचत होने के साथ संसाधनों के पुनः उपयोग को भी बढ़ावा मिला। इसके पश्चात विद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य संदीप जेटली ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया तथा इस पहल की सराहना की। विद्यालय में आयोजित इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अनूपपुर स्वास्थ्य विभाग में भर्ती पर उठे सवाल

पैसे लेकर नौकरी के आरोपों से मचा हड़कंप

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के स्वास्थ्य विभाग में कथित अनियमितताओं को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों और कुछ कर्मचारियों द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि विभाग में 1 लाख से लेकर 50 लाख रुपये तक लेकर भर्ती किए जाने की प्रक्रिया अपनाई गई है। आरोप है कि इस तरह से भर्ती हुए कर्मचारी अब बिना जिम्मेदारी के आराम की नौकरी कर रहे हैं और आम जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे।

सूत्रों के अनुसार, कई स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा, जबकि तैनात कर्मचारी अपनी ड्यूटी को लेकर गंभीर नहीं हैं। लोगों का कहना है कि शिकायत करने के बावजूद उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही, जिससे जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ककरावदा के पास ट्रैक्टर से भिड़ंत, छह घायल, 1 गंभीर हालत में विदिशा रेफर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

बुधवार सुबह महिला शिक्षिकाओं से भरा एक ऑटो ग्राम ककरावदा के पास सड़क हादसे का शिकार हो गया। बासौदा से स्कूल जा रही शिक्षिकाओं का ऑटो ट्रैक्टर से टकरा गया, जिससे ऑटो में सवार करीब 6 महिला शिक्षिकाएं घायल हो गईं। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद विदिशा रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर पलट गया, जबकि ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने घायलों की मदद कर उन्हें अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में चल रही शादी समारोहों के कारण कई बसें बुक होने से सुबह शिक्षिकाओं को नियमित बस सेवा नहीं मिल सकी। मजबूरी में सभी शिक्षिकाएं ऑटो से स्कूल जाने निकली थीं। इसी दौरान रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर

मंदिर निर्माण पूर्ण होने के बाद होगा भव्य धार्मिक आयोजन

खाटू श्याम मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन संपन्न, कथा स्थगित

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नवीन कृषि उपज मंडी के पास महर्षि भृगु संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समीप प्रस्तावित खाटू श्याम महाराज मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन समारोह विधिविधानपूर्वक संपन्न हुआ। भूमि पूजन नौलखी आश्रम के महंत श्री राम मनोहर दास जी महाराज के करकमलों से कराया गया।

जानकारी के अनुसार, खाटू श्याम बाबा का भव्य कथा आयोजन 7 मई से 14 मई तक प्रस्तावित था, लेकिन भगवान के विग्रह विस्तार एवं नवीन मंदिर निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद ही कथा कराने का निर्णय लिया गया है। प्रस्तावित मंदिर के लिए रामसिंह खंगार एवं उनकी धर्मपत्नी पुष्पा बाई द्वारा भूमिदान किया गया, जिसके पश्चात भूमि पूजन संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में महंत श्री राम मनोहर दास जी ने अपने आशीर्वचन में संस्कृत विद्यालय के उत्थान एवं मंदिर निर्माण के लिए शुभकामनाएं दीं। भूमि पूजन के बाद भगवान शिव का अभिषेक किया गया तथा आरती के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने मंदिर निर्माण कार्य में सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में कथा के प्रधान यजमान खुशाल सिंह रघुवंशी, शैलेंद्र सिंह रघुवंशी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सन्नमान सिंह रघुवंशी,

अभिषेक शर्मा, विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री हरिशंकर झा, जिला कोषाध्यक्ष ओंकार सिंह रघुवंशी, रामराज रघुवंशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। पूजन विधि प्रमेहानंद महाराज द्वारा संपन्न कराई गई, जबकि स्वस्तिवाचन महर्षि भृगु संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया। कार्यक्रम का संचालन पंडित मुन्नालाल शास्त्री ने किया।

कान्हा टाइगर रिजर्व के सरही वन इलाके में एक बाघ का नर शावक मृत मिला

मंडला। दोपहर मेट्रो

कान्हा टाइगर रिजर्व के सरही वन इलाके में एक बाघ का नर शावक मरा मिला है। यह घटना बड़े अमाही नाला के पास बीट सरहीनकान में सामने आई। जैसे ही घटना की खबर मिली, नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी और वन्यजीव विभाग के नियमों के मुताबिक तुरंत कार्रवाई शुरू की गई। पूरे इलाके को सुरक्षित कर डॉग स्क्वॉड से बारीकी से जांच करवाई गई। जबलपुर, मोतीनाला और बिछिया से आए पशु डॉक्टर की टीम ने मृत शावक का पोस्टमार्टम किया। शुरुआती जांच में शावक के शरीर के सभी अंदरूनी अंग सुरक्षित मिले हैं, जिससे अधिकारियों का मानना है कि उसकी मौत किसी बीमारी या कुदरती वजह से हुई है।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में धीमी गति से चल रही चीता प्रोजेक्ट की तैयारी

चीतों की बसाहट के लिए अभी चार माह और करना पड़ेगा इंतजार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में लाए जाने वाले अफ्रीकन चीता की बसाहट में अभी इंतजार करना होगा। जून अंत तक चीते लाने की तैयारी थी, लेकिन बाड़ों का काम लेट होने से ऐसा संभव नहीं हो पा रहा है

मुहली रेंज में 8 बाड़ों का काम शुरू हो गया है। इन्हें तैयार होने में 4 माह का समय लगेगा। बरसात में जुलाई अंत तक चीतों को लाया जा सकता है। इस बीच 100 वन कर्मियों को चीतों की निगरानी, उनके व्यवहार और बाड़ों के रखरखाव की ट्रेनिंग दिलाई जा रही है। टाइगर रिजर्व से वन कर्मियों के 10-10 सदस्यीय दल कूनो भेजे जा रहे हैं। एक दल ट्रेनिंग लेकर आगया है टाइगर रिजर्व में चीतों के लिए मुहली, सिंगपुर और झापन रेंज के 440 हैक्टेयर क्षेत्र का चयन किया गया है। मुहली रेंज में घास के मैदान व छायादार पेड़ हैं इसलिए यहां बोमा बनाए जा रहे हैं। क्वारेंटाइन बोमा में रखने के एक माह बाद इन्हें सॉफ्ट रिलीज बोमा में छोड़ा जाएगा।

टाइगर रिजर्व में क्वारेंटाइन बोमा की ऊंचाई 10 फीट, जबकि सॉफ्ट रिलीज बोमा की 14 फीट रहेगी। बाड़े की खासियत यह है कि सबसे नीचे सीसी फाउंडेशन बीम होगी। इस पर मधुमक्खी के छत्ते के आकार की जाली लगेगी 8 फीट ऊंची यह गैल्वेनाइज्ड जाली जंगल के वातावरण में लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी सबसे ऊपर बिजली के पल्स तार लगेंगे। ऐसे 6 पल्स तार लगाए जाएंगे, जिसे छूने से काफी हल्का करंट जैसा अहसास होता है। इसे आम तौर पर झटका करंट नाम से जाना जाता है। इससे किसी जीव को नुकसान नहीं होता। यह अन्य शिकारी जीवों से चीतों को सुरक्षा देगा।

तेजी से चल रहा प्रवेश द्वार का काम

टाइगर रिजर्व के बीना गेट पर टूरिज्म गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नए स्तर से खूबसूरत प्रवेश द्वार बनाए जा रहे है, जिसका काम तेज से चल रहा है। साथ ही इनमें एक प्रवेश द्वार हिनौती मोहली में बनाया जाना है टाइगर रिजर्व में सैर पर आने वाले पर्यटकों को सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह का कहना है कि बोमा बनने के बाद ही चीतों की शिफ्टिंग होगी बरसात में भी चीतों की शिफ्टिंग हो सकती है। इसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी। चीतों को बाड़ों में रखने के लिए वन अमले को प्रशिक्षित करा रहे हैं। कूनों में विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में इनकी ट्रेनिंग चल रही है।

बड़ागांव रोड पर क्रॉसिंग पर हुआ हादसा

टीकमगढ़ सड़क हादसा: इंदौर से आ रही यात्री बस अनियंत्रित होकर पलटी, 11 गंभीर घायल

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

टीकमगढ़ जिले के सागर रोड पर गत दिवस सुबह कोतवाली थाना इलाके के अंतर्गत आने वाले बड़ागांव रोड पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है। बताया जा रहा है कि, यहां एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे उतरकर पलट गई। हादसे में 11 यात्रियों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर सामने आई है।

बताया जा रहा है कि, ये सड़क दुर्घटना जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर गौगाबेर हनुमान मंदिर के पास क्रॉसिंग पर हुई है। हादसे का शिकार हुई बस महाकाल सर्विस कंपनी की बताई जा रही है, जो यात्रियों को इंदौर से लेकर टीकमगढ़ की तरफ आ रही थी। हादसा कोतवाली थाना क्षेत्र में हुआ है। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी रवि भूषण पाठक तत्काल टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू कराया। फिलहाल, सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ यात्रियों को सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अधिकांश को मामूली चोटें बताई जा रही हैं। फिलहाल, ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि, बस में कुल कितने यात्री सवार थे, लेकिन एक जानकारी है कि, करीब 50 लोग बस में सवार थे।

कलेक्टर पहुंचे अस्पताल, घायलों से की पूछताछ

घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर विवेक श्रोतिय पहले घटना स्थल पर पहुंचे। यहां हालात का जायजा लेने के बाद वो तत्काल जिला अस्पताल भी पहुंच गए। यहां उन्होंने न सिर्फ घायलों का हाल जाना। बल्कि, अस्पताल प्रबंधन को उन्हें बेहतर इलाज मुहैय्या करने के निर्देश भी दिए हैं।

जांच में जुटी पुलिस, कारणों का नहीं चला पता

मामले में टीकमगढ़ तहसीलदार सत्येंद्र सिंह गुर्जर का कहना है कि, महाकाल ट्रेवल्स कंपनी की बस गौगाबेर हनुमान मंदिर के पास अनियंत्रित होकर पलट गई है, जिसमें सवार 11 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हालांकि, सभी को तत्काल एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाकर भर्ती करा दिया गया है, जबकि अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आईं हैं, लेकिन उनकी हालत खतरे से बाहर है। फिलहाल, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

तुरंत भेजी गई एंबुलेंस

हादसे को लेकर एसडीओ राहुल कटरे ने बताया कि, सुबह करीब 8 बजे हादसे की सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद कोतवाली पुलिस और एंबुलेंस को मौके पर रवाना किया गया। सभी घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचा दिया गया है। फिलहाल, सभी का इलाज जारी है।

फर्जी निकला दूल्हा बर्बाद होने से बच गई एक बेटी की जिंदगी

दमोह। दोपहर मेट्रो

सिटी कोतवाली क्षेत्र के रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में गत दिवस की रात एक बड़ा फर्जीवाड़ा शादी समारोह के दौरान सामने आया है। गनीमत रही कि लकड़ी पक्ष के लोगों ने थोड़ी समझदारी दिखाई, नतीजन उनकी लड़की की जिंदगी बर्बाद होने से भी बच गई। यह पूरा खेल फेसबुक से शुरू हुआ और अब थाने पहुंच चुका है।

दरअसल, रेलवे इंस्टीट्यूट हॉल में दमोह की रैकवार समाज की एक लड़की की शादी शाजापुर के लड़के से होना थी। लड़की पक्ष ने पूरी तैयारियां कर रखी थीं, टेंट सजा था, घोड़ी बग्गी, बाजा वाले सब तैयार थे। न्यौते पर 300 से अधिक लोग भोजन करने भी पहुंचे थे, लेकिन रात 1 बजे तक जब बारात नहीं पहुंची तो, लड़की वालों को संदेह हुआ और उसके बाद जो खुलासे हुए उसने सभी के होश उड़ा दिए। बारात, वरमाला, फेरे हर चीज की तैयारी थी, लेकिन लड़का मोनू और उसके साथ दो अन्य लोग ही वर पक्ष से मौजूद थे। लड़की वालों ने जब बारात का पूछा तो बस से रात 11 बजे तक आना बताया गया। इसके बाद बारात की बस गढ़ाकोटा में खराब होना बताया और फिर रात 1 बजे तक बहानेबाजी चलती रही। इस बीच जब परिजनों को संदेह हुआ तो, दूल्हा सहित तीनों से सख्ती से पूछताछ की गई। बाद में पूरा मामला बड़े फ्रॉड से जुड़ा समझ आने लगा और पुलिस बुलाकर तीनों को उनके सुपुर्द किया गया।

पूरा फ्रॉड सामने आने के बाद जब परिजनों ने दूल्हा और उसके साथ आए दो लोगों से पूछताछ की, तो दूल्हे ने खुद के अलग-अलग नाम बताए। महू में रेलवे में नौकरी में नहीं होना भी बताया। इतना ही नहीं खुद को दो दिन से पहले से दमोह में ही होना बताया, इससे स्पष्ट है कि दूल्हा मोनू और उसके दो साथी, जिनमें से एक ड्राइवर है, बड़े फ्रॉड की फिराक में थे, इसके लिए उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से पहले से ही जाल बिछा रखा था। बताया गया कि फ्रॉड करने आए लड़के ने फेसबुक पर मोनू नाम से आइडी बनाई थी।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में तीन घायल, दो रेफर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

गत दिवस तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत तारादेही मार्ग पर स्थित चौराई ग्राम के पास दो बाइक की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है जिसमें ती लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं दो को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार शाम 5 बजे डायल 108 के पायलट नरेश अठ्ठया डॉ विजय ठाकुर को सूचना प्राप्त हुई थी की चौराई के पास दो बाइक सवार आमने सामने टकरा गए है, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही डायल 108 मौके पर पहुंची और घायलों को उठाकर स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां डाक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद दो लोगों को गंभीर चोटे आने के चलते जबलपुर रेफर किया इस हादसे में हीरा पिता तुलसीराम गौड़ उम्र 21 वर्ष गोलू पिता मुन्ना गौड़ उम्र 23 वर्ष भवानी पिता नारायण पाल उम्र 40 वर्ष हादसे में घायल तीनों बाइक सवार तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के धनगौर ग्राम के निवासी हैं जो हादसे में घायल हुए हैं जिसमें से भवानी पाल उम्र 40 के पैर सिर व गंभीर चोटे आई है हीरा गौड़ उम्र 21 के कान से तेजगति से रक्त संचार होने के चलते दोनों को जबलपुर रेफर किया गया है जबकि गोलू का स्वास्थ्य केंद्र में उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही डायल 112 भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली है। हादसे के बाद दोनों बाइक सामने से क्षतिग्रस्त हो गई है। साथ ही सूत्रों द्वारा यह खबर है कि एक बाइक बीमा फिटनेस सहित अन्य कमियां हैं पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी है।

शहडोल कलेक्ट्रेट में जर्जर भवन का खतरा आवक-जावक शाखा के पास छत झड़ रही

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शहडोल संभागीय मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में व्यवस्थाओं की गंभीर स्थिति सामने आई है। आवक-जावक शाखा के पास भवन की छत से प्लास्टर लगातार गिर रहा है और दीवारें जर्जर हो चुकी हैं। हालात ऐसे हैं कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद यहां कर्मचारियों और आम लोगों की आवाजाही जारी है।

मौके पर देखा गया कि छत का हिस्सा टूटकर नीचे गिर चुका है और लोहे की सरिया तक दिखाई देने लगी है। दीवारों में दरारें साफ नजर आ रही हैं, जिससे भवन की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे खतरनाक माहौल में संयुक्त कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों का बैठना और काम करना सुरक्षा मानकों के खिलाफ माना जा रहा है। कलेक्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण शासकीय कार्यालय में इस तरह की लापरवाही न केवल कर्मचारियों बल्कि आम जनता की जान के साथ सीधा जोखिम है। रोजाना बड़ी संख्या में लोग यहां अपने काम के लिए पहुंचते हैं, जिससे खतरा और बढ़ जाता है।

उमरिया जिले के स्वास्थ्य केंद्रों की हालत खराब, सर्दी-बुखार तक सीमित इलाज

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। यहां मरीजों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। हालत यह है कि अधिकांश केंद्रों में इलाज केवल सर्दी-बुखार तक ही सीमित रह गया है, जबकि गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, स्वास्थ्य केंद्रों में न तो पर्याप्त डॉक्टर उपलब्ध हैं और न ही जरूरी जांच सुविधाएं। कई जगहों पर एक्स-रे और अन्य जांच मशीनें या तो बंद पड़ी हैं या उपलब्ध ही नहीं हैं। इसके चलते मरीजों को निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और स्टाफ नर्स की भारी कमी बनी हुई है। ओपीडी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण सभी को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त सुविधाएं न होने के कारण मरीजों को सीधे जिला अस्पताल भेजा जा रहा है। इससे जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है और वहां भी व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं।

मेट्रो एंकर

ग्राम जरुआ व हाथीडोल के ग्रामीणों ने एसडीएम की जनुसनवाई में पहुचंकर बताई समस्या

डेढ़ किलोमीटर दूर से पानी लाने को हैं मजबूर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ग्राम पंचायत इमलीडोल के अंतर्गत आने वाले ग्राम जरुआ में एक माह व हाथीडोल में पिछले दो माह से पेयजल आपूर्ति बंद होने के कारण गंभीर जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इससे परेशान होकर ग्रामीणों ने एकजुट होकर जनसुनवाई में एसडीएम सीजी गोस्वामी को समस्या से अवगत कराया हैं। ग्रामीणों राधारानी गौंड, चंद्र रानी गौंड, पंचम सिंह, शंकर सिंह, चंन्नू सिंह, बसोरी सिंह, हल्ले भाई, दीक्षा गौंड, मालती, कौशिल्या, मनीषा, चन्दन, मानसिंह ने बताया कि गांव में जल सप्लाई योजना पूरी तरह से ठप पड़ी हुई है, जिसके कारण ग्राम जरुआ में उन्हें लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित भमका नाले से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, इसके अलावा ग्राम हाथीडोल में 2 किमी अमेहाउ झिरिया से मजबूरन पानी लाना पड़ता है और यह पानी पीने योग्य नहीं है, जिससे जलजनित बीमारियों का भी खतरा बढ़ गया है। संबंधित जल योजना अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो पा रही है पेयजल की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कर जलापूर्ति व्यवस्था को शीघ्र बहाल किया जाए। साथ ही बताया 1 सितंबर 2025 को कलेक्टर को आवेदन दिया था तब से 170 दिन में 70 दिन भी लगातार पानी नहीं आ रहा है साथ ही पानी के पैसे भी मांगे जा रहे हैं। दोनों ग्राम आदिवासी बाहुल्य हैं जिसमें लगभग 700 लोग निवासरत हैं। एसडीएम सीजी गोस्वामी ने कहा कि मैनें तुरंत ही जल निगम अधिकारियों से बात की हैं जल निगम से भरत विश्वकर्मा सहायक प्रबंधक जल निगम दमोह द्वारा ग्रामों का विजिट किया गया हैं। जो ग्रामों की रिपोर्ट मुझे प्रस्तुत करेगें, जल सप्लाई में गंभीर समस्या न होने की स्थिती में पेयजल की सप्लाई तुरंत ही चालू करने के निर्देश दिए गए हैं।

आईपीएल के बाद अफगान से भिड़ेगी टीम इंडिया

गिल-बुमराह को मिल सकता है आराम टेस्ट में नए खिलाड़ियों की हो सकती है एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौते टेस्ट में शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। 31 मई को आईपीएल का फाइनल है और भारतीय टीम का इंटरनेशनल कैलेंडर व्यस्त है। वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते कुछ खिलाड़ियों को आराम मिल सकता है।

वहीं, हर्ष दुबे, आकिब नबी और देवदत्त पडिक्कल को मौका मिल सकता है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने गेंदबाजी में सुधार किया है, जिससे उनके नाम पर चर्चा है। चयन समिति जल्दबाजी के बजाय मेडिकल टीम की सलाह पर फैसला करेगी। आईपीएल 2026 का फाइनल 31 मई को है, जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट 6 जून से शुरू होगा। दोनों के बीच सिर्फ 5-6 दिन हैं। मैनेजमेंट खिलाड़ियों की थकान और इंजरी रिस्क को लेकर गंभीर है। चयनकर्ता देखेंगे कि रेगुलर टेस्ट खिलाड़ियों की आईपीएल टीम किस स्टेज तक पहुंचती है। अफगानिस्तान के खिलाफ इस इकलौते टेस्ट में डब्ल्यूटीसी के कोई पॉइंट्स दांव पर नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक, सिलेक्टर्स और मैनेजमेंट स्टार खिलाड़ियों को वनडे या इंग्लैंड सीरीज के लिए फ्रेश रखना चाहते हैं। मैनेजमेंट मानता है कि बुमराह जैसे अहम गेंदबाज को ऐसे मैच में उतारना जोखिम होगा। अफगानिस्तान ने टेस्ट करियर की शुरुआत टीम इंडिया के खिलाफ की थी।

मुल्लनपुर टेस्ट में नए चेहरे दिखेंगे

6 जून से मुल्लनपुर में शुरू होने वाले टेस्ट के लिए चयनकर्ता घरेलू सर्किट पर नजर रख रहे हैं। सीनियर खिलाड़ियों को आराम मिला तो युवा खिलाड़ियों को डेब्यू मिल सकता है। इंडिया-ए के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार रेस में आगे हैं।

जून से जुलाई तक लगातार सीरीज

भारतीय टीम का जून महीना पैक है। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे के बाद टीम आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड दौरा होगा, जहां 3 टी-20 और 3 वनडे होंगे। इसके बाद 23 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 टी-20 मैच शुरू होंगे।

भारत को कभी नहीं हरा सका अफगानिस्तान

अफगानिस्तान और भारत के बीच 4 वनडे हुए, सभी मल्टिनेशन टूर्नामेंट में। एशिया कप में 2 मैच हुए, 1 भारत जीता और 2018 में एक टाई रहा। 2019 और 2023 वर्ल्ड कप में भी 2 मैच हुए, दोनों भारत जीता। दोनों के बीच पहली बार वनडे सीरीज होगी। टी-20 इंटरनेशनल में दोनों के बीच 9 मैच हुए। 8 में भारत जीता, जबकि एशियन गेम्स में एक मुकाबला बेनतीजा रहा। इस फॉर्मेट की इकलौती सीरीज 2024 में हुई थी, जिसमें भारत 3-0 से जीता था।

आईपीएल में आज लखनऊ के सामने होगी राजस्थान की टीम

आरआर ने एलएसजी के खिलाफ चार मैच जीते

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 का 32वां मैच लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। मुकाबला शाम 7.30 बजे लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होगा। इस मैदान पर दोनों टीमें दूसरी बार आमने-सामने होंगी। 2024 में यह मुकाबला राजस्थान ने जीता था। 15 साल के ओपनर वैभव सूर्यवंशी इस सीजन 20 सिक्स के साथ सबसे ज्यादा सिक्स लगाने में दूसरे नंबर पर हैं। 3 और सिक्स लगाते ही वे यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। 22 सिक्स के साथ बेंगलुरु के रजत पाटीदार पहले पायदान पर हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अब तक कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। हेड टु हेड में राजस्थान का पलड़ा भारी रहा है, जिसने 4 मैच जीते हैं, जबकि लखनऊ को सिर्फ 2 जीत मिली हैं। पिछले साल एक ही मैच हुआ था। इसमें लखनऊ को जीत मिली थी। लखनऊ के लिए इस सीजन में ऐडन मार्करम शानदार फॉर्म में नजर आए हैं। उन्होंने 6 मैचों में 162 रन बनाए हैं और 160.30 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए टीम के मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी है,

हालांकि अब तक उनके बल्ले से कोई फिफ्टी या सेंचुरी नहीं आई है। गेंदबाजी में प्रिंस यादव ने रस्त के लिए सबसे ज्यादा प्रभाव डाला है। इस युवा गेंदबाज ने 6 मैचों में 12 विकेट झटके हैं और 4/28 उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा है। हालांकि उनकी इकोनॉमी 9.91 रही है, लेकिन विकेट निकालने की क्षमता ने उन्हें टीम का सबसे बड़ा मैच-विनर बना दिया है।

वैभव ने 236 की स्ट्राइक रेट से स्कोर किया

राजस्थान के लिए वैभव सूर्यवंशी ने 6 मैचों में 246 रन बनाए हैं और 236.53 के शानदार स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए विरोधी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाया है। उनके नाम इस सीजन में 2 अर्धशतक भी हैं। गेंदबाजी में रवि बिश्नोई ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने 6 मैचों में 10 विकेट झटके हैं और 4/41 उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा है। 9.50 की इकोनॉमी के बावजूद बिश्नोई बीच के ओवरों में विकेट निकालकर टीम को मैच में बनाए रखने का काम कर रहे हैं।

इकाना की पिच आमतौर पर संतुलित मानी जाती है, जहां स्पिन गेंदबाजों को खास मदद मिलती है। यहां पहली पारी का औसत स्कोर करीब 160 रन के आसपास रहता है, जिससे साफ है कि बल्लेबाजों के लिए बड़े शॉट खेलना आसान नहीं होता। हालांकि हाल के मैचों में इस पिच ने बल्लेबाजों को भी सपोर्ट किया है। सतह पर अच्छा बाउंस और थोड़ी पेस भी मिलती है, जिससे गेंदबाज और बल्लेबाज दोनों को बराबर मौका मिलता है। लखनऊ स्टेडियम में मैच के दौरान मौसम गर्म लेकिन साफ रहने वाला है। तापमान दोपहर में करीब 35एष्ट तक जा सकता है, जो शाम के मैच के समय घटकर लगभग 28 डिग्री के आसपास रहेगा।

हर मैच करियर बचाने की चुनौती मानकर खेलते थे

बैंकॉक चेस ओपन; अरण्यक बने भारत के 95वें ग्रैंडमास्टर

कोलकाता. एजेंसी

भारतीय शतरंज के लिए हालिया हफ्ता ऐतिहासिक उपलब्धियों वाला रहा। आर. वैशाली के महिला वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने और एएस श्रावणिका के अंडर-12 रैपिड खिताब जीतने के बाद, अब कोलकाता के अरण्यक घोष ने भारत का 95वां ग्रैंडमास्टर बनकर देश का गौरव बढ़ाया है।

नेशनल रैपिड चैम्पियन अरण्यक ने बैंकॉक चेस क्लब ओपन में 9 में से 7 अंक हासिल कर अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म प्राप्त किया। अरण्यक को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ा परिश्रम करना पड़ा। उन्होंने पहला नॉर्म 2023 (सैंट्स ओपन) और दूसरा 2024 (एनेमासे मास्टर्स) में हासिल किया था। उन्होंने पिछले साल फिडे वर्ल्ड कप में पोलैंड के माटुस्ज बार्टेल को हराकर सबको चौंकाया था। अरण्यक वर्ल्ड रैंकिंग में 401वें स्थान पर मौजूद हैं।

तनावमुक्त रहने के लिए कार्टून वाली हुडी पहनकर खेलते हैं: अरण्यक जब साढ़े चार साल के थे, तब घर की सफाई में मां संचिता को पिता मृणाल घोष की पुरानी, धूल भरी शतरंज पेटी मिली। नन्हे अरण्यक गोटियां सजाकर खेलने लगे। बेटे की रुचि देख पिता मृणाल घोष ने उन्हें ट्रेनिंग दिलवाई।

कोच सौमेन मजूमदार ने अरण्यक की आर्थिक तंगी को देखते हुए उन्हें मुफ्त कोचिंग दी और अपने खर्च पर शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स से ट्रेनिंग सत्र कराए। अरण्यक के पास कॉर्पोरेट स्पॉन्सर नहीं था, इसलिए इनामी राशि से ही अगले टूर्नामेंट की फीस देते और टिकट वगैरह का खर्च उठाते। साल 2019 में पिता ने फीस के लिए पुश्तैनी जमीन और संपत्तियां बेच दीं। अरण्यक जानते थे कि खराब प्रदर्शन का मतलब अगला मौका खत्म, इसलिए हर मैच को करियर बचाने की चुनौती मानकर खेला। मां संचिता घोष ने बेटे के करियर के लिए वकालत छोड़ दी, ताकि विदेशी टूर्नामेंट में साथ जा सकें। यूरोप दौरों में खर्च बचाने के लिए सस्ते कमरों में रहते और खुद खाना बनाते थे।

सीएसके के आयुष म्हात्रे आईपीएल से बाहर

नईदिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे आईपीएल से बाहर हो गए हैं। टीम ने पुष्टि की कि 18 साल के बल्लेबाज को हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई है और उन्हें 6 से 12 हफ्तों तक रिहैब करना होगा। 18 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बैटिंग के दौरान उन्हें चोट लगी थी। उस मुकाबले में दूसरे रन की कोशिश में वह अचानक अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग पकड़कर रुक गए थे। मैच के दौरान उन्हें दो बार मैदान पर इलाज दिया गया, लेकिन आउट होने के बाद रामकृष्ण घोष और फिजियो टॉमी सिमसेक की मदद से उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। बाद में सोमवार को उनकी स्कैनिंग कराई गई, जिसमें चोट की गंभीरता सामने आई। चेन्नई के लिए अब तक इस सीजन आयुष म्हात्रे सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने दो अर्धशतक लगाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 177.87 का रहा है। म्हात्रे का बाहर होना सीएसके के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पिता ने किया खुलासा: ऑडिशन के दौरान विक्की ने झेले अपमान

स्टंट निर्देशक शाम कौशल ने हाल ही में अपने बेटों, विक्की कौशल और सनी कौशल के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने दोनों के करियर बनाने की कोशिश के बीच की चुनौतियों के बारे में भी खुलासा किया। शाम ने साझा किया कि करियर की शुरुआत में विक्की ने ऑडिशन के दौरान कितनी अस्वीकृतियों के साथ अपमान के क्षणों को भी झेला है। स्टंट निर्देशक ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने बेटों को अपने सपनों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके मुताबिक वह यह भी चाहते थे कि दोनों कड़ी मेहनत और अनुशासन के मूल्य को समझें।

बेटों के फैसले पर हुआ आश्चर्य

शाम के अनुसार विक्की और सनी दोनों नियमित स्कूल गए, क्योंकि इसके पीछे का मकसद उन्हें जीवन के प्रति एक जमीनी नजरिया विकसित करने और उन्हें केंद्रित रखना था। शाम ने आगे खुलासा किया कि जब दोनों बेटों ने फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने में रुचि व्यक्त की तो उन्हें शुरू में आश्चर्य हुआ, क्योंकि उन्होंने उनके उस रास्ते पर जाने की योजना नहीं बनाई थी।

हमेशा किया दोनों का समर्थन

हालांकि, इसके बाद भी उन्होंने दोनों का समर्थन किया, क्योंकि खुद भी वह फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए शाम ने कहा कि मैं भी एक गांव से आया हूं और कड़ी मेहनत करता हूं, इसलिए मेरा मानना था कि अगर वे ईमानदार रहे और प्रयास करते रहे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी।

कभी नहीं की सिफारिश

शाम ने ये बातें फाइडे टॉकीज के साथ एक साक्षात्कार में कहीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अपने बेटों को भूमिकाएं दिलाने के लिए कभी भी उन्होंने मदद नहीं मांगी। उन्होंने कहा कि मैं एक एक्शन निर्देशक था, फिर भी मैंने कभी किसी को काम देने के लिए संपर्क नहीं किया।

धोखा मिलने के बाद किरण के प्यार में पड़े अनुपम खेर, बोले- यह एक कहानी है...

अनुपम खेर ने खुलासा किया कि वह और उनकी पत्नी, अभिनेता और राजनीतिज्ञ किरण खेर, प्यार में पड़ने और शादी करने से पहले 10 साल तक सबसे अच्छे दोस्त थे। अनुपम खेर इन दिनों अपनी फिल्म विजय 69 को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। अभिनेता अपने अभिनय करियर के शुरुआती सालों के संघर्षों के बारे में खुलकर बात करने से कभी नहीं कतराते। अब हाल ही में, अभिनेता ने किरण राव के साथ अपनी प्रेम कहानी को लेकर खुल कर बात की है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है। लगभग 40 साल से शादीशुदा यह कपल चंडीगढ़ में अपने कॉलेज के दिनों में दोस्त बना था। हालांकि, उन्हें शायद ही पता था कि उनकी दोस्ती सालों बाद रोमांस में बदल जाएगी। अपने-अपने असफल रिश्तों से उबरने के बाद, अनुपम और किरण ने एक-दूसरे की संगति में सुकून पाया और उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। जैसा कि अनुपम ने बताया उनके खास दिन की शुरुआत गुड़गांव के एक आश्रम में एक साधारण शादी समारोह से हुई थी। अनुपम खेर ने याद किया, गुड़गांव में एक आश्रम है, वहीं हमारी शादी हुई। इससे पहले मैं पुणे में एक फिल्म की शूटिंग कर रहा था और मैं एक दिन पहले ही शादी के लिए गुड़गांव पहुंच गया था। अनुपम ने बताया, हम उससे पहले दस साल तक सबसे अच्छे दोस्त थे... वह शादीशुदा थीं और मुझे एक लड़की ने तीन साल के रिश्ते के बाद छोड़ दिया था और किरण अपनी शादी में मुश्किल दौर से गुजर रही थीं। कैसे वह दोस्ती प्यार में बदल गई और प्यार शादी में बदल गया, यह एक कहानी है। अनुपम और किरण ने 26 अगस्त 1985 को शादी की थी। एक सफल अभिनेत्री और राजनीतिज्ञ किरण ने अपनी पिछली शादी से बेटे सिकंदर खेर को अपने परिवार में शामिल किया।

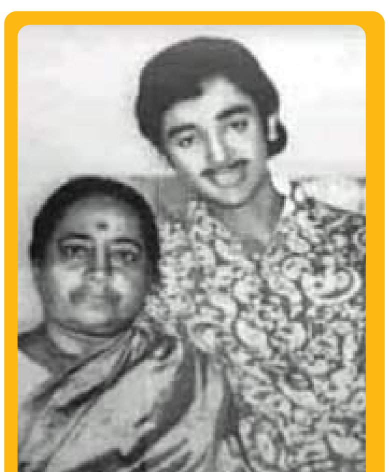

131 करोड़ का बंगला 21 फिल्मफेयर अवार्ड!

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक छाए सुपरस्टार कमल हासन का जन्म तमिलनाडु के परमाकुदी में हुआ था. तमिल एक्टर ने हिंदी, तमिल के अलावा तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बंगाली फिल्में भी की हैं. कमल हासन 1 करोड़ फीस लेने वाले पहले सुपरस्टार हैं. ये फीस उन्होंने 1994 में आई सिंगल फिल्म के लिए लिया था. वह अपनी लग्जरी लाइफ के लिए जाने जाते हैं. उनके पास करोड़ों की प्रॉपर्टी है. उनकी कमाई सिर्फ फिल्मों ही नहीं बल्कि कई अलग-अलग सोर्स से होती है। एक्टिंग की दुनिया में एक्टिव कमल हासन कई फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर भी रह चुके हैं. उन्होंने साउथ की कई फिल्में असिस्ट भी की हैं. कई साल स्ट्रगल के बाद साल 1974 में उन्हें फिल्म कन्याकुमारी में पहली बार लीड रोल करने का मौका मिला. इस फिल्म के लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था. हालांकि, महज 4 साल की उम्र में ही कलाथुर कनम्मा से एक्टिंग में उनका डेब्यू हो चुका था. इसके अलावा 5 अन्य फिल्मों में भी चाइल्ड एक्टर की भूमिका में रहे।कमल हासन भारत के वो स्टार हैं, जिनकी सबसे ज्यादा 7 फिल्में ऑस्कर अवॉर्ड की बेस्ट फॉरेन फिल्म कैटेगरी में शामिल हो चुकी हैं. भारतीय सिनेमा की हिस्ट्री में सबसे ज्यादा फिल्मफेयर अवॉर्ड भी उन्हीं के नाम है. 2 बार हिंदी और 19 बार साउथ से उन्हें यह अवॉर्ड मिल चुका है. कहा यह भी जाता है कि बाद में उन्होंने खुद ही फिल्मफेयर एसोसिएशन से अपना नाम विदड्रॉ कर लिया, ताकि नए एक्टर को ये अवॉर्ड मिल सके. इसके अलावा एक्टर 4 नेशनल अवॉर्ड, 2 बार लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, पद्मश्री और पद्मभूषण से भी सम्मानित हो चुके हैं।

मेट्रो बाजार

अब विदेशी ऑटो-पेमेंट पर 24 घंटे पहले नोटिफिकेशन मिलेगा

नईदिल्ली, एजेंसी

अब आप नेटफ्लिक्स और यूट्यूब जैसे विदेशी एप के सब्सक्रिप्शन के लिए ऑटोमैटिक पेमेंट कभी भी रोक सकेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने विदेशी कंपनियों को किए जाने वाले ऑटोमैटिक पेमेंट के नियम बदल दिए हैं।

अब अगर आप अपने कार्ड या यूपीआई से किसी विदेशी सर्विस के लिए ई-मेंडेट यानी हर महीने पैसे कटने वाला सिस्टम (ई-मैन्डेट) सेट करते हैं, तो आपको पेमेंट से 24 घंटे पहले नोटिफिकेशन मिलेगा। इसके लिए बैंकों को एडिशनल फैक्टर

ऑथेंटिकेशन यानी ओटीपी से वेरिफिकेशन करना होगा। इसका मकसद यूजर को डिजिटल फ्रॉड से बचाना और उन्हें अपने ट्रांजैक्शन पर ज्यादा कंट्रोल देना है। आरबीआई ने ई-मैन्डेट ट्रांजैक्शन के लिए लिमिट भी तय की है। ग्राहक यह तय कर सकेंगे कि हर बार एक निश्चित राशि कटे या फिर एक मैक्सिमम लिमिट तय कर सकते हैं। अगर आप अलग-अलग लिमिट चुनते हैं, तो बैंक को यूजर से मैक्सिमम वैल्यू पूछनी होगी। इसके अलावा, ई-मेंडेट में किसी भी तरह के बदलाव या उसे वापस लेने के लिए बैंक को यूजर से दोबारा वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। बैंक की लापरवाही होने पर या 3 वर्किंग डेज के भीतर रिपोर्ट करने पर यूजर की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी और पूरा रिफंड मिलेगा। 4 से 7 दिन की देरी पर लायबिलिटी 5000 रुपए (सेविंग अकाउंट) से लेकर 25,000 रुपए (क्रेडिट कार्ड) तक हो सकती है। 7 दिन के बाद की रिपोर्टिंग पर बैंक की पॉलिसी के अनुसार फैसला होगा।

कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं, फ्री मिलेगी ई-मेंडेट सुविधा: आरबीआई ने साफ किया है कि बैंक रिकरिंग ट्रांजैक्शन के लिए ई-मेंडेट सुविधा देने पर ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं ले सकते। साथ ही, अगर आपका कार्ड एक्सपायर होने के बाद दोबारा जारी होता है, तो पुराने ई-मेंडेट नए कार्ड पर मैप किए जा सकेंगे।

जीसीसी में नियुक्तियां बढ़ीं, पर जेन जी नहीं टिक रहे, कंपनियां 2.5 गुना ज्यादा सैलरी देने तैयार

मुंबई, एजेंसी

देश के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) में नौकरियों का बाजार फिर चमकने लगा है। साल 2026 की चौथी मार्च तिमाही में भर्तियों में 12 से 14 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। क्वेस कॉर्प की रिपोर्ट के मुताबिक, यह ग्रोथ पिछले तिमाही के 4-6 फीसदी के मुकाबले दोगुने से ज्यादा है।

हालांकि एआई और डेटा जैसे एडवांस स्किल्स में 42 फीसदी तक टैलेंट की कमी है। इसी वजह से कंपनियां एक्सपर्ट्स को आकर्षित करने के लिए 1.5 से 2.5 गुना तक ज्यादा सैलरी पैकेज ऑफर कर रही हैं। भर्तियों के मामले में टियर-1 शहरों का दबदबा बरकरार है। कुल भर्तियों में 88-90 फीसदी हिस्सा मेट्रो शहरों का है। हैदराबाद सबसे तेजी से उभरते हुए हब के रूप में सामने आया है। बेंगलुरु नियुक्तियों के मामले में अब भी नंबर-1 बना हुआ है। टियर-2 शहरों अपनी बढ़त बढ़ा रहे हैं। कोयंबटूर, जयपुर, कोच्चि और अहमदाबाद जैसे शहरों की हिस्सेदारी बढ़कर 10-12 फीसदी हो गई है। हालांकि, हाई-कॉम्प्लेक्सिटी वाले बड़े काम अब भी मेट्रो शहरों में ही सिमटे हैं। जेन-जी वर्कफोर्स किसी भी रोल में औसतन 24 महीने से भी कम समय तक टिक रही है। छोटे एम्प्लॉयमेंट साइकिल की वजह से टैलेंट रोक कर रखने की चुनौती बढ़ गई है। एआई और प्लेटफॉर्म ट्रांसफॉर्मेशन जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए कंपनियां अब पक्की नौकरी के बजाय फ्लेक्सिबल स्टाफिंग अपना रही हैं।

पहलगाम हमले की पहली बरसी पर देश भावुक

अब नहीं रहीं वो पहले जैसे रौनक...

घटे टूरिस्ट
गाड़ियां-घोड़े बिके, 6 टूरिस्ट स्पॉट बंद

श्रीनगर। पहलगाम अटैक के बाद बैसरन घाटी वीरान हो गई। पूरा साल बीत गया, लेकिन वीरानी अब भी है। यहां अब पहले जैसे टूरिस्ट नहीं आते। लोगों को घाटी घुमाने वाले गाइड बर्बाद हो गए। उनके घोड़े और गाड़ियां तक बिक गईं।पहलगाम में अटैक करने वाले तीनों आतंकी मारे गए, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान से बदला ले लिया, लेकिन बैसरन घाटी में कुछ नहीं बदला। हमले के बाद कश्मीर में 48 टूरिस्ट स्पॉट बंद किए गए थे। इनमें 42 दोबारा खुल गए। 6 अब भी बंद हैं। बैसरन घाटी के अलावा चंदनवाणी, गुरेज, अथवटो, बंगस और रामकुंड का सिक्योरिटी रिव्यू हो रहा है। क्लीयरेंस के बाद इन्हें खोला जा सकता है।

आतंकी हमले से पहले अप्रैल, जून और जुलाई में हर दिन 10 हजार से ज्यादा टूरिस्ट पहलगाम आते थे। अब 2000 से 2500 ही आते हैं। अब बैसरन घाटी कब खुलेगी, हमने ये सवाल जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों से पूछा। वे ऑफिशियली बात करने को तैयार नहीं हुए, लेकिन ये बताया कि अभी यहां की सिक्योरिटी देखी जा रही है। क्लीयरेंस मिलने के बाद ही फैसला लिया जाएगा।

न्यूज विंडो

महाकाल की शरण में पहुंचे सांसद व एक्टर रवि किशन

उज्जैन। भोजपुरी और हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता एवं गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने सुबह श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन किए। वे भस्म आरती के पश्चात मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर पहुंचने के बाद रवि किशन ने सबसे पहले नंदी हॉल में पूजा-अर्चना की और फिर चांदी द्वार से भगवान महाकाल के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने जल अर्पित कर भगवान का स्मरण किया और लगातार महाकाल का जाप करते नजर आए। करीब 15 मिनट तक मंदिर परिसर में रहकर उन्होंने श्रद्धा के साथ दर्शन किए और देश-प्रदेश के कल्याण की कामना की।

दलित दिव्यांग दूल्हे पर हमला घोड़े से उतारकर मारपीट

दमोह। दमोह जिले के हटा थाना क्षेत्र के बिजोरी पाठक गांव में दलित समाज के एक दिव्यांग दूल्हे की रछवाई के दौरान विवाद हो गया। आरोप है कि गांव के कुछ दबंगों ने दूल्हे को घोड़े से नीचे उतारकर लाठी-डंडों से मारपीट की। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दूल्हे पक्ष के लोग बारात सहित हटा थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया है। जानकारी के अनुसार बिजोरी पाठक गांव निवासी गोलू अहिरवार (23) पुत्र भागीरथ अहिरवार की बारात मंगलवार को छतरपुर जिले के बक्सवाहा क्षेत्र स्थित बूढ़ी सेमरा गांव जानी थी। बारात रवाना होने से पहले शाम करीब पांच बजे गांव में दूल्हे की रछवाई निकाली जा रही थी। गोलू घोड़े पर सवार था और परिजन व समाजजन जश्न मना रहे थे। इसी दौरान जब रछवाई गांव के लोधी मोहल्ले की ओर पहुंची, तभी कुछ लोगों ने आपत्ति जताई। आरोप है कि उन्होंने दूल्हे को घोड़े से नीचे उतरने के लिए कहा।

नीलगाय से टकराया तस्कर, 14 किलो हेरोइन बरामद: कीमत 70 करोड़

बीकानेर। बीकानेर में भारत-पाक सीमा से तस्करी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां सुरक्षा एजेंसियों से पहले एक नीलगाय ने पूरे नेटवर्क की परत खोल दी। पूगल के पास तड़के करीब चार बजे स्कूटी सवार एक संदिग्ध युवक नीलगाय से टकराकर गिर पड़ा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब स्कूटी की तलाशी ली तो उसमें छिपाकर रखी गई करीब 14 किलो हेरोइन बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 70 करोड़ रुपये बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह खेप खाजूवाला बॉर्डर क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोन के जरिए गिराई गई थी। हादसे में घायल युवक की पहचान पाली जिले के सोजत के रेपड़वास निवासी खेताराम के रूप में हुई है। वह स्कूटी से खाजूवाला से पूगल की ओर जा रहा था और पूगल से करीब सात किलोमीटर पहले दुर्घटना हो गई। घायल युवक को 108 एम्बुलेंस की मदद से पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अभी बेहोश है। होश में आने के बाद तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है। मौके से उसका आधार कार्ड मिला है, जबकि स्कूटी किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत पाई गई है, जिसकी तलाश जारी है।

बंगाल चुनाव 2026: चुनाव में ग्लैमर बनाम जमीनी ताकत का तड़का

नंदीग्राम सीट पर देश की नजर, वफादारी की राख से उपजी बगावत की 'नई आग'

कोलकाता, एजेंसी

बंगाल की राजनीतिक चर्चा नंदीग्राम के बिना अधूरी है। यहां की गर्म हवाओं और उमस में फिर से 2007 जैसी चुनावी तपिश महसूस हो रही है। फर्क बस इतना है कि इस बार की लड़ाई दलों से ज्यादा अपनों के बीच सिमट गई है, जिसने मुकाबले को और रोमांचक बना दिया है।

नंदीग्राम की गलियों में धूल उड़ रही है और नारों का शोर चरम पर है। चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में भाजपा ने अपनी फायरब्रांड स्टार प्रचारक और सांसद कंगना रनौत को उतारकर मुकाबले को ग्लैमर और आक्रामकता दोनों दे दी है। कंगना की रैलियों में उमड़ी भीड़, खासकर युवाओं की मौजूदगी, यह संकेत देती है कि पार्टी हिंदू गौरव और परिवर्तन के मुद्दों को धार दे रही है। दूसरी ओर अपनी जमीन वापस पाने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने यहां पूरी ताकत झोंक दी है।

क्या कहती है जनता?

हल्दिया पोर्ट से हाबड़ा नदी पार करते ही चाय के ढाबों और मछली मंडियों में चर्चा सिर्फ दलबदल की नहीं, बल्कि बुनियादी जरूरतों की भी है। स्थानीय लोगों के बीच पवित्र कर को लेकर खास चर्चा है और कई लोग उन्हें अब भी अधिकारी परिवार का वफादार मानते हैं। पुलिस केस और अदालती कार्रवाइयों का डर यहां बड़ा मुद्दा है, जिसे TMC अपने पक्ष में साधने की कोशिश कर रही है। वहीं, बेरोजगारी और पलायन की समस्या भी गहरी है।

नंदीग्राम सीट इसलिए है अहम

नंदीग्राम सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि ममता बनर्जी के राजनीतिक पुनर्जन्म की जमीन है। 2007 में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन वह मोड़ बना, जिसने 'मां, माटी, मानुष' के नारे के साथ 34 साल की वाम सत्ता को खत्म कर 2011 में ममता बनर्जी को सत्ता तक पहुंचाया। नंदीग्राम की इसी जमीन से ममता बनर्जी स्टार बनकर उभरीं हैं। पूर्वी मेदिनीपुर की राजनीति में अधिकारी परिवार का दबदबा रहा है। सिसिर अधिकारी के नेतृत्व में यह परिवार लंबे समय तक प्रभावी रहा। शुभेंदु अधिकारी नंदीग्राम आंदोलन के प्रमुख रणनीतिकार रहे, लेकिन 2021 से पहले भाजपा में शामिल होकर उन्होंने राजनीतिक समीकरण बदल दिए। पिछली बार 2021 के चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को 1,956 वोटों के मामूली अंतर से हराया था।

हल्दिया पोर्ट की फोटो

हल्दिया जैसे औद्योगिक क्षेत्र के पास होने के बावजूद युवाओं को काम के लिए बाहर जाना पड़ता है। पान के किसान और मछली पालक आज भी सिंचाई और सही दाम के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सियासी गणित में ध्रुवीकरण अहम है। भाजपा हिंदू वोटों के एकीकरण पर फोकस कर रही है, जबकि TMC मुस्लिम और अनुसूचित जाति वोटों के साथ अपनी योजनाओं पर भरोसा जता रही है। 88 प्रतिशत से अधिक के पिछले मतदान ने यह दिखाया है कि मतदाता भले ही खामोश हो, लेकिन निर्णायक है।

दाहिना हाथ बन गया चुनौती

बंगाल विधानसभा चुनाव में इस बार नंदीग्राम की लड़ाई 2021 से अलग है। उस समय मुकाबला ममता बनर्जी बनाम शुभेंदु अधिकारी था, लेकिन 2026 में तस्वीर बदल गई है। अब शुभेंदु अधिकारी को चुनौती उनके ही पूर्व करीबी और चुनाव प्रबंधक रहे पवित्र कर दे रहे हैं। कभी दाहिना हाथ कहे जाने वाले पवित्र कर अब TMC के टिकट पर अपने ही पूर्व गुरु के खिलाफ खड़े हैं। उनका कहना है कि अपमान और उपेक्षा ने उन्हें बगावत के लिए मजबूर किया।

ईसी की चेतावनी

ईवीएम के बटन पर गोंद या परफ्यूम लगाया तो खैर नहीं...

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि ईवीएम के बटन पर इत्र, गोंद या किसी भी तरह का पदार्थ लगाना छेड़छाड़ माना जाएगा और यह चुनावी अपराध है। हाल के दिनों में यह दावा सामने आया था कि कुछ राजनीतिक कार्यकर्ता यह पता लगाने के लिए ऐसा करते हैं कि वोट उनके पक्ष में पड़ा है या नहीं। मंगलवार को अधिकारियों ने कहा कि अगर किसी मतदान केंद्र पर ऐसी कोई हरकत सामने आती है, तो वहां के पीठासीन अधिकारी को तुरंत सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को इसकी जानकारी देनी होगी। यह निर्देश तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले दिए गए हैं। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसे मामलों में आयोग सख्त कार्रवाई करेगा और जरूरत पड़ने पर दोबारा मतदान (री-पोल) का आदेश भी दिया जा सकता है।

बटन पर कुछ भी लगाना सख्त मना

अधिकारियों ने सभी मतदान केंद्रों के पीठासीन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि ईवीएम के सभी उम्मीदवारों के बटन साफ और स्पष्ट दिखाई दें। किसी भी बटन पर टेप, गोंद या अन्य कोई चीज नहीं लगी होनी चाहिए।

500 की शर्त और फंस गए कर्नाटक के गृह मंत्री, FIR दर्ज करने का आदेश

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर मुश्किल में घिर गए हैं। बेंगलुरु की एक अदालत ने उनके खिलाफ कबड्डी मैच के दौरान 500 रुपये की कथित शर्त लगाने के मामले में केस दर्ज करने का आदेश दिया है।

यह विवाद तुमकुरु में आयोजित राज्य स्तरीय प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान उनके एक बयान से जुड़ा है। बताया गया कि परमेश्वर ने जिला उपायुक्त शुभा कल्याण के साथ 500 रुपये की दोस्ताना शर्त लगाई थी कि विजयपुरा की टीम मैच जीतेगी। हालांकि मैच में दक्षिण कन्नड़ की टीम ने विजयपुरा को 36-26 से हराकर जीत दर्ज की। बाद में विजेता टीम को पुरस्कार देते समय मंत्री ने सार्वजनिक रूप से इस शर्त का जिक्र भी किया।
शिकायत के बाद कोर्ट का आदेश: इस मामले में एचआर नागभूषण नाम के व्यक्ति ने निजी शिकायत दर्ज कराई। उनका कहना है कि सार्वजनिक रूप से शर्त लगाना, चाहे मजाक में ही क्यों न हो, कानून के खिलाफ है और खासकर संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ऐसा नहीं करना चाहिए। शिकायत पर सुनवाई करते हुए बेंगलुरु की 42वीं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने पुलिस को स्ऋद्धक्रदर्ज करने और मामले की जांच करने का निर्देश दिया है।

स्कूल बस और ट्रक की जोरदार टक्कर, दस छात्र घायल, 5 की हालत गंभीर

बालोतरा। बालोतरा जिले के बायतु क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जिसने पूरे इलाके में चिंता और अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया। बायतु बायपास के पास एक स्कूल बस और ट्रक के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में करीब 10 स्कूली छात्र घायल हो गए, जिनमें से 5 बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह स्कूल बस सरस्वती विद्या मंदिर की बताई जा रही है, जिसमें हादसे के वक्त कुल 36 बच्चे सवार थे। बताया जा रहा है कि बस अपने निर्धारित मार्ग पर बच्चों को लेकर जा रही थी, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस असंतुलित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई।

2 साल के अंदर दूसरी मैटरनिटी लीव लेना पूरी तरह से मान्य: हाईकोर्ट

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया कि पहला मातृत्व अवकाश लेने के दो वर्ष के भीतर दूसरे मातृत्व अवकाश पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। न्यायालय ने यह भी कहा कि इस विषय में वित्तीय हैंडबुक (वित्तीय नियम संग्रह) के प्रविधान मातृत्व लाभ कानून के ऊपर नहीं हो सकते हैं।यह आदेश न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने मनीषा यादव की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।

याचिका में चार अप्रैल 2026 को पारित उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके जरिये याची की दूसरी मातृत्व अवकाश की मांग को अस्वीकार कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान याची की ओर से अधिवक्ता चिन्मय मिश्रा ने दलील दी कि मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 एक लाभकारी कानून है और इसके प्रविधानों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मातृत्व अवकाश के बीच कम से कम दो वर्ष का अंतर

राज्य की ओर से वित्तीय हैंडबुक के नियम 153(1) का हवाला देते हुए कहा गया कि दो मातृत्व अवकाश के बीच कम से कम दो वर्ष का अंतर होना आवश्यक है।अदालत ने पूर्व के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि मातृत्व लाभ अधिनियम संसद द्वारा बनाया गया कानून है और यह किसी भी कार्यपालिका निर्देश या वित्तीय हैंडबुक के प्रविधानों से ऊपर है। ऐसे में यदि दोनों में कोई विरोधाभास हो तो अधिनियम के प्रविधान ही प्रभावी होंगे। कोर्ट ने पाया कि याची ने पहली संतान के जन्म के दो साल के भीतर ही फिर से मातृत्व अवकाश के लिए आवेदन किया था, जिसे गलत आधार पर खारिज कर दिया गया।

मेट्रो एंकर

नासा के रोवरों द्वारा भेजी गई कुछ तस्वीरों ने दुनियाभर के लोगों और वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा

मंगल पर उड़ते दिखे कीड़े, फिर छिड़ी जीवन पर बहस

वाशिंगटन, एजेंसी

मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। नासा के रोवरों द्वारा भेजी गई कुछ तस्वीरों में कथित रूप से पंखों वाले कीड़े, छिपकली जैसे जीव और शिकारी जैसे जीवन रूप दिखाई देने के दावों ने वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा है। हालांकि यह विचार बेहद रोमांचक है कि मंगल की सतह पर कीड़े उड़ रहे हों या धूल के बीच कोई जीव छिपा हो, लेकिन वैज्ञानिक समुदाय का बड़ा हिस्सा इन दावों को लेकर काफी सतर्क और संशयपूर्ण है।

विशेषज्ञों का कहना है कि मंगल सौरमंडल के सबसे अधिक अध्ययन किए गए ग्रहों में से एक है और अब तक वहां किसी जटिल जीव के अस्तित्व का ठोस प्रमाण नहीं मिला है। हाल के दावे मुख्य रूप से नासा के मार्स रोवर, विशेषकर क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा ली गई तस्वीरों की व्याख्या से जुड़े हैं। कीट विज्ञानी विलियम रोमोसर ने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रोवर छवियों का अध्ययन करते हुए दावा किया कि इनमें कीड़ों जैसे और सरीसृपों जैसे आकार दिखाई देते हैं। उन्होंने अपनी प्रस्तुति एविडेंस ऑफ एक्सटेंट इंसेक्ट-लाइक ऑर्गेनिज्म्स ऑन मार्स और उसके सप्लीमेंटल मैटेरियल में तर्क दिया कि कुछ आकृतियां पंख, पंखों की मोड़ संरचना और व्यवस्थित पैरों जैसी बनावट दिखाती हैं। रोमोसर का कहना था कि मंगल पर जीवन था और अब भी है।

उन्होंने एंटोमोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका की एक बैठक में भी अपने अवलोकन प्रस्तुत किए। उनका दावा था कि कुछ सी आकृतियां ऐसी लगती हैं मानो वे गति में हों या अपने आसपास के वातावरण के साथ किसी प्रकार की क्रिया कर रही हों। जैसे-जैसे मंगल की हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीरें सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो रही हैं, इन दावों ने फिर से ध्यान खींचा है और स्वतंत्र शोधकर्ता भी इन छवियों का विश्लेषण कर रहे हैं।

वैज्ञानिकों का दावों को मानने से इंकार

हालांकि इन दावों में रोमांच जरूर है, लेकिन ज्यादातर वैज्ञानिक इन्हें स्वीकार नहीं करते। इसका सबसे बड़ा कारण एक मनोवैज्ञानिक अवधारणा है, जिसे पैरिडोलिया कहा जाता है। पैरिडोलिया का अर्थ है, मनुष्य का रैंडम आकृतियों में परिचित चेहरों, जानवरों या वस्तुओं को देख लेना। उदाहरण के लिए बादलों में चेहरा दिखना या चट्टानों में किसी जीव की आकृति नजर आना। ग्रह विज्ञान में यह एक बड़ी चुनौती मानी जाती है, क्योंकि दूसरे ग्रहों की सतही तस्वीरों का अध्ययन करते समय वैज्ञानिकों को इसी भ्रम से बचना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार मंगल पर दिखाई देने वाली ये आकृतियां वास्तव में लाखों वर्षों से चल रही हवा, धूल और अपरदन प्रक्रियाओं से बनी चट्टानें हो सकती हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564